Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 249 | शुक्रवार, 18 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मोदी ने किया सेमीकॉन इंडिया का उद्घाटन, सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण के लिए 13.5 अरब डॉलर की घोषणा की

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में सेमीकंडक्टर तंत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है और स्वदेशी चिप अब देश और दुनिया के ग्राहकों तक पहुंचने लगी है।

श्री मोदी ने गुरुवार को यहां सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें संस्करण का उद्घाटन किया और कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र के दिनों दिन बढ़ने से देश में नवाचार, निवेश और विकास के नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने युवाओं और उद्योग जगत से इस सेमीकंडक्टर मिशन से जुड़ने का आह्वान किया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने मिशन के दूसरे चरण के लिए 13.5 अरब डॉलर की योजना की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 में शुरू हुई सेमीकॉन इंडिया की यात्रा अब नीति और योजना से आगे बढ़कर पायलट लाइन से होते हुए वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुंच गई है। मोहाली और सूरत में दो नए संयंत्रों में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर का पूरा तंत्र विकसित करने के लिए चिप डिजाइन, उपकरण निर्माण और परीक्षण की क्षमता जरूरी है। उन्होंने फैबलेस कंपनियों (काफी कम कर्मचारियों वाली कंपनियों), बौद्धिक संपदा और सिलिकॉन फोटोनिक्स पर जोर दिया।

उन्होंने उपकरण, रसायन, गैस और सामग्री क्षेत्र की कंपनियों से 12 स्वीकृत परियोजनाओं और बढ़ती मांग का लाभ उठाने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया को विनिर्माण के लिए नयी और भरोसेमंद जगह की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इसके लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत हर वो कदम उठा रहा है जो हमें सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक पसंदीदा स्थल बनाता है। कुछ साल पहले ही देश के संविधान के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। ऐसा देश जब एक महत्वपूर्ण उद्योग में आगे बढ़ता है तो इससे पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला को ताकत मिलती है।

उन्होंने कहा, 'आज जब आपूर्ति श्रृंखला को हथियार बनाया जा रहा है तब तो इसकी महत्ता बहुत बढ़ जाती है। भारत में हो रहे इस विकास को हमें इस बड़े नजरिये से भी देखना है।' प्रधानमंत्री ने भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चिप डिजाइन के लिए एक लाख इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें 70 हजार को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने युवाओं और शोधकताओं से देश में उन्नत तकनीक विकसित करने में भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, 'जो युवा प्रतिभा भारत में अनुसंधान से जुड़े हैं वे आगे आएं। जो युवा विदेशों में अनसंधान कर रहे हैं वे भी भारत में उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़ें।' उन्होंने प्रमुख उद्योगपतियों का आह्वान, 'मैं उद्योग जगत से आग्रह करता हूं। आप देश में अनुसंधान और विकास के लिए आगे आएं। इसमें उद्योगों का भी फायदा है और भारत की युवाशक्ति को भी इससे ताकत मिलेगी।' श्री मोदी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धमत्ता (एआई) की बढ़ती मांग से सेमीकंडक्टर क्षेत्र की जरूरतें बदल रही हैं।

अब केवल ट्रांजिस्टर के आकार पर ध्यान नहीं है, बल्कि मेमोरी की जगह और गर्मी के प्रबंधन समेत पूरे सिस्टम के एकीकरण पर भी जोर है। उन्होंने कहा कि भारत इन नई वैश्विक विनिर्माण जरूरतों के लिए लगातार तैयारी कर रहा है। उन्होंने एआई डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर संयंत्रों के लिए लगातार बिजली की जरूरत का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सौर ऊर्जा क्षमता 160 गीगावाट से अधिक हो गई है। साथ ही परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है।

श्री मोदी ने पिछले 15 दिनों में हुई कई उपलब्धियों का भी उल्लेख किया जिनमें 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' में समावेशी वित्त पर चर्चा, 3,000 किलोमीटर लंबे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का संचालन और 7.8 प्रतिशत की तिमाही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि शामिल है। उन्होंने जापान की एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा भारत की सॉवरेन रेटिंग बढ़ाए जाने का भी जिक्र किया। श्री मोदी ने भारत की मेजबानी में हाल में हुए बीआरआईसीएस सम्मेलन और नयी दिल्ली घोषणा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि घोषणा का सर्वसम्मति से अपनाया जाना भारत के प्रति दुनिया के भरोसे को दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया के आयोजन को विश्वकर्मा दिवस से जोड़ते हुए भारत की निर्माण और सृजन की पुरानी परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रचनात्मक क्षमता को 21वीं सदी की तकनीक और सोच से जोड़ना आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की प्रेरणा है।

'हमें मजबूर न करें...', रिलीफ कैंपों में हुई मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर को लगाई फटकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर के राहत कैंपों में कथित अप्राकृतिक मौतों और यौन उत्पीड़न के मामलों पर चिंता जताई। राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने मणिपुर के मुख्य सचिव को सभी 25 संदिग्ध मौतों पर एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया, जिसमें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौत के कारणों से जुड़े दस्तावेज शामिल हों। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा से जुड़े यौन हिंसा के मामलों की जांच और कार्यवाही से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कोर्ट ने राहत कैंपों में रह रहे विस्थापित लोगों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने मणिपुर के एडवोकेट जनरल से उस जानकारी के बारे में भी सवाल किया जो कमेटी ने 4 जुलाई को रिलीफ कैंपों में रह रहे विस्थापित लोगों की 25 अप्राकृतिक मौतों के संबंध में मांगी थी। सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार से कहा, 'अपने मुख्य सचिव से कहें कि वे अदालत को आदेश जारी करने के लिए मजबूर न करें।

सीएम मोहन यादव पर बरसे राहुल गांधी, बालाघाट में बच्चों की मौतों पर उठाए गंभीर सवाल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 17 सितंबर को बालाघाट में 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की मौत की खबरों के बाद मध्य प्रदेश सरकार की आलोचना की। उन्होंने इन मौतों के लिए राज्य में बीमारी, कुपोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और साफ पानी न मिल पाने को ज़िम्मेदार ठहराया। पर एक पोस्ट में, गांधी ने राज्य सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और असंवेदनशीलता की निंदा करते हुए कहा कि बालाघाट में बीमारी, कुपोषण और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की मौत हो गई है। संवेदनहीनता का आलम यह है कि मासूम जानें जाती रहीं, फिर भी प्रतिक्रिया धीमी रही और सरकार सोती रही।

उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से कहा कि मुख्यमंत्री जी, अगर आपको दीये जलाने और त्योहार मनाने के बाद समय मिले, तो जरा राज्य की जमीनी हकीकत पर भी नजर डालिए। गांधी ने सरकार पर चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था, बीमारियों को रोकने में नाकामी, कुपोषण, और मिलावटी दवाओं व अवैध शराब जैसी समस्याओं का आरोप भी लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह मध्य प्रदेश भर में छात्रों, युवाओं और आम जनता से फीडबैक लेने के लिए इंदौर जा रहे हैं। उन्होंने राज्य की शिक्षा व्यवस्था की भी आलोचना करते हुए कहा कि सामने आ रही भयावह घटनाएं यह दिखाती हैं कि मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था आज पूरे देश में सबसे ज्यादा बर्बाद हो चुकी है। गांधी ने कहा कि छात्र, बच्चे, गरीब लोग, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग और महिलाएं समेत कई समूह परेशान हैं। उन्होंने आगे कहा कि हर वर्ग को सताया जा रहा है; कोई भी खुश नहीं है।' उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार आज भारत की सबसे भ्रष्ट और सबसे अक्षम सरकार है–यही सच है। अधिकारी बालाघाट के बिरसा ब्लॉक में आदिवासी इलाकों से बुखार, रैश और मौतों की खबरों पर कार्रवाई कर रहे हैं।

मोदी ने नक्सलवाद से मुक्ति दिलाई, जम्मू-कश्मीर से हटाया अनुच्छेद 370: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ, काशी-वडनगर के बीच हो रही यात्रा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

वाराणसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विरासत लिखी जाएगी तो उसमें यह भी लिखा जाएगा कि उन्होंने देश को नक्सलवाद से कैसे मुक्ति दिलाई, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 कैसे समाप्त किया, करोड़ों लोगों को गरीबी से कैसे बाहर निकाला, संसद में महिलाओं को बराबर की भागीदारी कैसे दिलाई और नौजवानों के सपनों को कैसे पंख दिए। एक महान नेता लोगों को स्वावलंबी बनाता है और प्रधानमंत्री मोदी ने यही किया है।

प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि काशी और वडनगर को जोड़ने वाली यात्रा प्रधानमंत्री की जन्मभूमि को कर्मभूमि से जोड़ने की यात्रा है। एक ओर काशी है, जहां से उनके सार्वजनिक जीवन को नई ऊर्जा मिली और दूसरी ओर वडनगर है, जहां उन्हें मां हीराबेन का आशीर्वाद और संस्कार मिले। उन्होंने इसे सेवा, संस्कार और साधना की संगम यात्रा बताया।

पहले सरकारों को कुर्सी बचाने की रहती थी चिंता

राजनाथ सिंह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 2014 से पहले भारत के हाथ से अवसर निकल जाते थे। पहले की सरकारें सोती रहती थीं या उन्हें अपनी कुर्सी बचाने की चिंता रहती थी। उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया की बड़ी चिप निमार्ता कंपनी भारत में फैक्ट्री लगाना चाहती थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे दो बार अनुमति नहीं दी और देश ने रोजगार का बड़ा अवसर खो दिया।

भारत जो बोलता है उसे पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सेमीकंडक्टर को बढ़ावा देने की पहल की तो सवाल उठाए गए कि भारत में इसकी इंडस्ट्री कैसे लग सकती है। पीएम मोदी को अभी दशकों तक देश की सेवा करनी है। पहले 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और पिछले 12 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी योग्यता का निर्वाहन कर रहे हैं। 25 वर्षों तक उन्होंने अनवरत जन सेवा का काम किया है।

पीएम ने भारत को ऐसे स्थिति में पहुंचाया है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर आज भारत जो बोलता है उसे पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब भारत बोलता था उसे जितना गंभीरता से लिया जाना चाहिए था वो नहीं होता था।

दो हजार साल पुराना काशी-वडनगर का रिश्ता

रक्षा मंत्री ने कहा कि वडनगर और काशी का रिश्ता बहुत पुराना है। करीब दो हजार साल पहले बौद्ध भिक्षुओं ने सारनाथ से वडनगर की यात्रा की थी। उस समय उद्देश्य ज्ञान और अध्यात्म को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना था।

आज उसी प्राचीन परंपरा को नए रूप में सेवा यात्रा के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री के द्वारा गुजरात में लिए गए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि क्रिकेट में टेस्ट मैच की गति से चलने वाले विकास कार्य को उन्होंने वन-डे मैच में बदलने का काम किया।

मोबाइल की टॉर्च जलवाकर पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दिलाई

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दुनिया के बड़े नेताओं से मिलते समय उन्हें भारत में बनी वस्तुएं उपहार में देते हैं। उन्होंने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन को वाराणसी की गुलाबी मीनाकारी से बना पिकॉक ब्रोच दिए जाने का भी जिक्र किया। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने उपस्थित लोगों से मोबाइल की टॉर्च जलवाकर प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दिलाई।

250 बाइक से वडनगर जाएंगे 500 यात्री: पंकज चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि काशी से 250 बाइक पर सवार 500 यात्री गंगाजल लेकर वडनगर जा रहे हैं। इसी तरह 250 बाइक पर 500 यात्री गुजरात की पवित्र नदियों का जल लेकर वडनगर से काशी आ रहे हैं। सात अक्तूबर को वडनगर में बाबा हाटकेश्वर को जल अर्पित किया जाएगा और काशी में बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक कर यात्रा पूर्ण होगी।

मेरी डिग्री का क्या? कैंपेन लेकर आई यूथ कांग्रेस, खाली सरकारी पदों पर भर्ती की मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन यूथ कांग्रेस ने देशभर के सरकारी विभागों में खाली पड़े मंजूर पदों को लेकर 'मेरी डिग्री का क्या?' कैंपेन शुरू किया है। कैंपेन की शुरूआत दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ हुई, जहां एक वेबसाइट लॉन्च की गई और आगे की गतिविधियों का रोडमैप भी बताया गया। यूथ कांग्रेस का कहना है कि देश के युवाओं के सामने बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है और बड़ी संख्या में सरकारी पद खाली होने के बावजूद उन पर भर्ती नहीं हो रही है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शुरू हुआ कैंपेन

यूथ कांग्रेस के मुताबिक, यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर शुरू किया गया है। संगठन ने अपने बयान में प्रधानमंत्री और देश के युवाओं के बीच रोजगार के मुद्दे को लेकर तुलना की है।

यूथ कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की डिग्री और युवाओं की डिग्रियों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि आम परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए फीस भरने और कई बार कर्ज लेने तक की कोशिश करते हैं, इस उम्मीद में कि पढ़ाई के बाद उन्हें रोजगार मिलेगा और वे परिवार का सहारा बन सकेंगे।

50 लाख से ज्यादा खाली पदों का मुद्दा उठाया

दिल्ली प्रदेश यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने दावा किया कि देशभर में 50,05,850 मंजूर सरकारी पद खाली हैं। उनके मुताबिक, इन पदों पर भर्ती होने से युवाओं को रोजगार मिलने के साथ स्कूलों और अस्पतालों जैसी सरकारी सेवाओं में भी सुधार हो सकता है। यूथ कांग्रेस का कहना है कि एक तरफ युवाओं के पास डिग्रियां हैं और वे नौकरी की तलाश कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बड़ी संख्या में सरकारी पद खाली पड़े हैं। इसी सवाल को लेकर संगठन ने 'मेरी डिग्री का क्या?' अभियान शुरू किया है।

'50 लाख पद खाली हैं तो भर्ती क्यों नहीं?'

यूथ कांग्रेस ने अपने अभियान के जरिए सवाल उठाया है कि अगर देश में बड़ी संख्या में युवा नौकरी के लिए योग्य हैं और सरकारी विभागों में मंजूर पद खाली हैं, तो इन पदों पर भर्ती क्यों नहीं की जा रही है। संगठन ने केंद्र सरकार की ओर से हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यूथ कांग्रेस ने अपने बयान में प्रधानमंत्री के लिए 'जुमलाजीवी' शब्द का इस्तेमाल करते हुए रोजगार के वादों पर निशाना साधा है। हालांकि, ये यूथ कांग्रेस द्वारा लगाए गए राजनीतिक आरोप और उसके अभियान का हिस्सा हैं। इनके संदर्भ में सरकार का पक्ष इस बयान में शामिल नहीं है।

बिहार सरकार ने बीआईआईपीपी 2025 के साथ बाउमा कॉनएक्सपो 2026 में दिखाई अपनी औद्योगिक क्षमता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार सरकार bauma CONEXPO INDIA 2026 के 8वें संस्करण में स्टेट पार्टनर के रूप में भाग लेते हुए राज्य की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और निवेश के अवसरों को देश-विदेश के उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत कर रही है। 15 से 18 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में निर्माण मशीनरी, खनन, इंजीनियरिंग और आधारभूत संरचना से जुड़े प्रमुख उद्योग समूह एवं निवेशक भाग ले रहे हैं। बिहार के पवेलियन में बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2025, औद्योगिक आधारभूत संरचना तथा सामान्य विनिर्माण, निर्माण एवं आधारभूत संरचना, ऑटो कंपोनेंट्स, हेवी इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश संभावनाओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। राज्य द्वारा औद्योगिक भूमि, निवेश प्रोत्साहन और विकसित हो रहे औद्योगिक बुनियादी ढांचे की जानकारी भी

'निजी कृषि भूमि पर बुलडोजर कार्रवाई कानून का दुरुपयोग'

गुवाहाटी(वेलकम इंडिया)। ।गौहाटी हाई कोर्ट ने असम प्रशासन से कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वह गोलपारा जिले में निजी कृषि भूमि पर 21 आवासीय इकाइयों को ध्वस्त करते समय कानून का दुरुपयोग कर रहा है। मामले में सभी याचिकाकर्ता मुसलमान हैं और हाई कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को निर्धारित की है। सितंबर की शुरूआत में अपनी कृषि भूमि पर स्थित घरों को ध्वस्त करने के खिलाफ 21 मुस्लिम याचिकाकताओं की सुनवाई करते हुए जस्टिस देवाशीष बरुआह ने कहा कि प्रथमदृष्टया, यह दशार्ता है कि इस तरह की कठोर कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए कोई तत्काल खतरा नहीं था। हाई कोर्ट ने जिला आयुक्त और सर्कल अधिकारी को कार्यवाही के संबंध में हलफनामे दायर करने का अवसर दिया। जस्टिस बरुआह ने याचिकाकताओं द्वारा दायर अतिरिक्त हलफनामे का भी उल्लेख किया, जिसमें ध्वस्तीकरण की गई तस्वीरें और हुए नुकसान को रिकार्ड में लाया गया है।

संपादक की कलम

यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित शर्मा
संपादक

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है। फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है। यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं।

शुल्क की आहट और यूपीआई का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

अंततः अमेरिकी दबाव ने असर दिखाया-यह निष्कर्ष आकर्षक जरूर है, लेकिन 14 सितंबर की वित्त मंत्रालय की अधिसूचना को समझने के लिए थोड़ी सावधानी जरूरी है। अधिसूचना ने 2,000 तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड भुगतान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क लगाने से बैंकों और भुगतान-प्रणाली प्रदाताओं को रोक दिया है। परंतु 2,000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर तत्काल कोई उपभोक्ता शुल्क लागू नहीं किया गया है; अधिसूचना ने केवल बड़े लेन-देन पर भविष्य में शुल्क या एमडीआर की संभावना के लिए रास्ता खुला छोड़ा है।

फिर भी चिंता वास्तविक है। क्योंकि नीतियों का असर केवल उस शब्द से नहीं समझा जाता जो अधिसूचना में लिखा है; यह भी देखना पड़ता है कि उसके बाद बाजार का व्यवहार किस दिशा में जाता है। आज शुल्क सीधे ग्राहक से न लिया जाए, कल व्यापारी से लिया जाए और परसों व्यापारी उसे वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में जोड़ दे-तो अंततः भार उपभोक्ता पर ही आ सकता है। आर्थिक व्यवस्था में लागत का कोई भी नया तत्व लंबे समय तक अपने मूल स्थान पर नहीं रहता; वह किसी न किसी रूप में कीमत, कमीशन या सेवा-शुल्क बनकर बाजार में फैल सकता है।

सरकार का वर्तमान निर्णय यह नहीं कहता कि 2,000 से ऊपर का हर यूपीआई भुगतान अब शुल्कयुक्त हो गया है। अधिसूचना का स्पष्ट प्रावधान यह है कि 2,000 तक के यूपीआई लेन-देन पर बैंक या भुगतान-प्रणाली प्रदाता भुगतान करने वाले अथवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं ले सकते। बड़े भुगतान के संबंध में न तो कोई निश्चित दर घोषित की गई है और न ही यह कहा गया है कि आम उपयोगकर्ता को तुरंत अतिरिक्त पैसा देना होगा।

लेकिन नीति का संकेत उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका वर्तमान प्रभाव। लंबे समय से यूपीआई पर एमडीआर यानी व्यापारी छूट दर लगाने की चर्चा चलती रही है। एमडीआर वह शुल्क है जो किसी डिजिटल भुगतान को संसाधित करने के लिए व्यापारी या भुगतान-प्रणाली से जुड़े पक्षों के बीच लिया जाता है। यदि भविष्य में 2,000 से अधिक के व्यापारी भुगतान पर एमडीआर लगाया गया, तो बैंक, भुगतान अनुप्रयोग और भुगतान-संसाधक अपनी लागत वसूलने का प्रयास कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिकों की आशंका शुरू होती है सरकार शायद यह तर्क दे सकती है कि छोटे भुगतान गरीब, निम्न-मध्यमवर्गीय और रोजमर्रा के उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त रहेंगे। यह तर्क अपने आप में समझने योग्य है। चाय, दूध, सब्जी, स्थानीय परिवहन या छोटी दुकान के भुगतान पर शुल्क न लगे, यह डिजिटल समावेशन के लिए महत्वपूर्ण है। मगर प्रश्न यह है कि क्या 2,000 की सीमा के ऊपर शुल्क लगाने की व्यवस्था बड़े व्यापार तक सीमित रहेगी? और यदि वह सीमित रहेगी, तो इसकी निगरानी कौन करेगा? यह मान लेना कठिन है कि व्यापारी अतिरिक्त लागत को हमेशा अपने मुनाफे से वहन करेगा। बड़े संगठित कारोबार कुछ समय तक भुगतान-प्रसंस्करण की लागत को सह सकते हैं, पर छोटे व्यापारियों के लिए हर शुल्क मायने रखता है। किराना दुकानदार, ऑनलाइन विक्रेता, निजी शिक्षक, चिकित्सक, मरम्मत-कर्मी और छोटे सेवा-प्रदाता अपनी लागत को किसी न किसी रूप में ग्राहक तक पहुंचा सकते हैं।

कल्पना कीजिए कि किसी व्यापारी पर प्रत्येक बड़े यूपीआई भुगतान पर एक प्रतिशत का शुल्क लगता है। वह ग्राहक को कह सकता है कि नकद भुगतान करें, या डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त राशि दें, या वस्तु की कीमत में मामूली वृद्धि कर सकता है। ग्राहक को अलग से शुल्क दिखाई न दे, फिर भी वह बढ़ी हुई कीमत के रूप में भुगतान कर सकता है। इसीलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि शुल्क 'प्राप्तकर्ता' देगा। प्राप्तकर्ता भी बाजार का हिस्सा है और बाजार में कोई भी लागत अंततः कीमतों में समायोजित हो सकती है। इससे डिजिटल भुगतान की उस सहजता पर भी असर पड़ सकता है जिसने यूपीआई को भारत के आर्थिक जीवन का सामान्य हिस्सा बना दिया है। आज ग्राहक को यह सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि भुगतान के लिए उसके पास नकद है या कार्ड। मोबाइल और बैंक खाते के सहारे कुछ सेकंड में लेन-देन पूरा हो जाता है। यदि बड़े भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क, असफल लेन-देन, अलग-अलग अनुप्रयोगों की दरें या व्यापारी द्वारा मनमाना अधिभार आने लगे, तो यह भरोसा कमजोर हो सकता है। अमेरिकी कंपनियों और ट्रंप प्रशासन के दबाव का आरोप राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे प्रमाणित तथ्य की तरह प्रस्तुत करने से पहले ठोस दस्तावेज, आधिकारिक बयान और वार्ताओं का सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने होना चाहिए। विदेशी कंपनियों का अपने हितों के लिए सरकारों पर दबाव बनाना असामान्य नहीं है। वैश्विक भुगतान कंपनियां चाहती हैं कि भुगतान बाजार में प्रतिस्पर्धा के नियम उनके अनुकूल हों और घरेलू प्रणालियों पर लगाए गए संरक्षणात्मक प्रावधान धीरे-धीरे कम हों। यह भी सच है कि यूपीआई ने भारत में भुगतान के क्षेत्र में ऐसा मॉडल खड़ा किया है जिसमें उपयोगकर्ता को लगभग शून्य लागत पर त्वरित भुगतान की सुविधा मिली। इस व्यवस्था ने पारंपरिक कार्ड नेटवर्क और विदेशी भुगतान कंपनियों के व्यावसायिक मॉडल को चुनौती दी है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कारोबारी हितों का इस बहस में होना स्वाभाविक है। मगर किसी नीति-निर्णय को केवल 'अमेरिका के दबाव' का परिणाम बताने से घरेलू आर्थिक कारणों की चर्चा अधूरी रह जाती है। बैंकों और भुगतान अनुप्रयोगों का तर्क है कि यूपीआई के व्यापक संचालन, साइबर सुरक्षा, तकनीकी ढांचे और ग्राहक-सहायता पर खर्च होता है। दूसरी ओर सरकार ने वर्षों तक यूपीआई को मुफ्त रखकर डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार को प्राथमिकता दी। अब यदि इस व्यवस्था की लागत का प्रश्न उठ रहा है, तो सरकार को पारदर्शी ढंग से बताना चाहिए कि कुल लागत कितनी है, उसका कितना भाग कौन वहन करेगा और शुल्क से प्राप्त धन का उपयोग किस उद्देश्य से होगा। इस मुद्दे पर राष्ट्रवाद का आवरण डालना लोकतांत्रिक बहस को कमजोर करेगा। यदि सरकार ने यह निर्णय किसी विदेशी दबाव में नहीं, बल्कि घरेलू आर्थिक विवशताओं या भुगतान-तंत्र की स्थिरता के लिए लिया है, तो उसे स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। यदि किसी अंतरराष्ट्रीय बातचीत का प्रभाव पड़ा है, तो संसद और जनता को उसके बारे में जानकारी मिलनी चाहिए। पारदर्शिता राष्ट्रहित के विरुद्ध नहीं होती; वह राष्ट्रहित की पहली शर्त है।

जब लोकतंत्र बाजार बन जाए: धीरे-धीरे कार्पोरेट सत्ता में बदलती, जनता की सत्ता

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि इसमें सत्ता किसी व्यक्ति, परिवार, वर्ग या धनिक समूह की निजी संपत्ति नहीं होती। सत्ता जनता से आती है और संविधान, कानून तथा संस्थाओं के माध्यम से जनता के प्रति उत्तरदायी रहती है। लेकिन जब लोकतंत्र की प्रक्रिया में धन, बाजार और कॉर्पोरेट हितों का प्रभाव इतना बढ़ने लगे कि जनहित और आर्थिक हित के बीच की सीमा धुंधली पड़ जाए, तब एक गंभीर प्रश्न जन्म लेता है-क्या लोकतंत्र अभी भी जनता की सत्ता है, या वह धीरे-धीरे ऐसी व्यवस्था में बदल रहा है जिसमें आर्थिक शक्ति राजनीतिक शक्ति को प्रभावित करने लगती है?

यह प्रश्न किसी एक देश, एक दल या एक सरकार तक सीमित नहीं है। दुनिया के अनेक लोकतंत्रों में चुनावों की बढ़ती लागत, राजनीतिक वित्तपोषण, लॉबिंग, मीडिया स्वामित्व, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बड़े आर्थिक समूहों के बढ़ते प्रभाव ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि हर कॉर्पोरेट गतिविधि लोकतंत्र के लिए खतरा है या उद्योग जगत का राजनीति से कोई संबंध नहीं होना चाहिए। आधुनिक अर्थव्यवस्था में उद्योग, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास महत्वपूर्ण हैं। समस्या तब पैदा होती है जब आर्थिक शक्ति इतनी केंद्रीकृत हो जाए कि वह सार्वजनिक नीतियों, सूचना के प्रवाह और राजनीतिक प्राथमिकताओं को असमान रूप से प्रभावित करने लगे। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का मत समान माना जाता है। लेकिन आर्थिक असमानता के कारण राजनीतिक प्रभाव हमेशा समान नहीं रहता। एक सामान्य नागरिक के पास मतदान का अधिकार है, जबकि एक विशाल आर्थिक संस्था के पास विशेषज्ञों, कानूनी सलाहकारों, शोध संस्थानों, मीडिया संसाधनों, लॉबिंग नेटवर्क और व्यापक संचार क्षमता तक पहुंच हो सकती है। दोनों लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी प्रभाव पैदा करने की क्षमता बराबर नहीं होती। यहीं से लोकतंत्र के सामने असमान राजनीतिक प्रभाव का प्रश्न खड़ा होता है।

चुनाव लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा हैं, लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-स्वतंत्र संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका, पारदर्शी शासन, जवाबदेह प्रशासन, स्वतंत्र एवं विविध मीडिया, नागरिक स्वतंत्रताएं और ऐसी नीतियां जिनमें आम नागरिक की आवाज भी प्रभावी रूप से सुनी जा सके। यदि नागरिक केवल पांच वर्ष में एक बार वोट डालने तक सीमित हो जाए और बाकी समय नीतियां बनाने की प्रक्रिया उससे दूर होती चली जाएं, तो लोकतंत्र का औपचारिक ढांचा कायम रहते हुए भी उसकी लोकतांत्रिक आत्मा कमजोर हो सकती है। कार्पोरेट प्रभाव का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र मीडिया है। मीडिया लोकतंत्र में जनता और सत्ता के बीच संवाद का माध्यम है। लेकिन जब मीडिया स्वामित्व अत्यधिक केंद्रीकृत हो जाए, विज्ञापन पर निर्भरता बढ़े या व्यावसायिक हित संपादकीय प्राथमिकताओं को प्रभावित करने लगें, तो सूचना के स्वतंत्र प्रवाह पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यहां भी यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर बड़ा मीडिया संस्थान पक्षपाती होता है। वास्तविक चुनौती संरचनात्मक है-क्या नागरिकों के पास विविध और स्वतंत्र स्रोतों से सूचना प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर हैं? डिजिटल युग ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। कभी सूचना का प्रवाह अखबार, रेडियो और टेलीविजन तक सीमित था; आज डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिक के व्यवहार, रुचियों और ऑनलाइन गतिविधियों के आधार पर सामग्री को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे सूचना तक पहुंच आसान हुई है, लेकिन साथ ही यह प्रश्न भी पैदा हुआ है कि नागरिक वास्तव में स्वयं सूचना चुन रहा है या उसे ऐसे डिजिटल तंत्र के माध्यम से सूचना दिखाई जा रही है जो उसके व्यवहार और ध्यान को प्रभावित करने के लिए डिजाइन किया गया है। डेटा आधुनिक अर्थव्यवस्था की नई शक्ति बन चुका है। नागरिक की पसंद, खरीदारी, खोज, स्थान, रुचियां और डिजिटल व्यवहार आर्थिक मूल्य रखते हैं। यदि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक अपने डेटा और डिजिटल अधिकारों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रखता, तो राजनीतिक स्वतंत्रता का प्रश्न केवल मतदान केंद्र तक सीमित नहीं रह जाता। डिजिटल युग में लोकतांत्रिक नागरिकता का अर्थ यह भी है कि व्यक्ति यह समझ सके कि उसके बारे में कौन-सी जानकारी एकत्र की जा रही है, उसका उपयोग कैसे हो रहा है और उस पर उसका कितना नियंत्रण है।

आर्थिक शक्ति और राजनीतिक सत्ता का संबंध इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सार्वजनिक नीतियां अंततः समाज के संसाधनों और अवसरों को प्रभावित करती हैं। कर व्यवस्था, भूमि, खनिज, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, श्रम, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़े निर्णय करोड़ों लोगों के जीवन पर प्रभाव डालते हैं। ऐसे निर्णयों में उद्योग जगत की विशेषज्ञता और भागीदारी उपयोगी हो सकती है, लेकिन नीति निर्माण में सार्वजनिक हित, पारदर्शिता और हितों के टकराव से बचाव के स्पष्ट मानदंड भी उतने ही आवश्यक हैं। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब नागरिक यह महसूस करने लगे कि व्यवस्था में उसकी आवाज की कीमत उसकी आर्थिक क्षमता से तय होती है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत इसके ठीक विपरीत है। लोकतांत्रिक नागरिक की राजनीतिक हैसियत उसकी संपत्ति से नहीं, उसके नागरिक अधिकारों से निर्धारित होती है। यही कारण है कि लोकतंत्र को बाजार बनने से रोकने का अर्थ बाजार को समाप्त करना नहीं है। इसका अर्थ है बाजार और लोकतांत्रिक सत्ता के बीच स्पष्ट संस्थागत सीमाएं बनाए रखना। आर्थिक स्वतंत्रता आवश्यक है, लेकिन आर्थिक शक्ति को सार्वजनिक संस्थाओं पर अनियंत्रित प्रभाव की अनुमति देना लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती बन सकता है। इसी प्रकार सरकार और उद्योग के बीच संवाद आवश्यक है, लेकिन संवाद और प्रभाव-खरीद के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। इसके लिए राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता, हितों के टकराव से जुड़े मजबूत नियम, प्रभावी प्रतिस्पर्धा कानून, मीडिया में विविध स्वामित्व, स्वतंत्र नियामक संस्थाएं, सूचना के अधिकार की प्रभावी व्यवस्था, मजबूत डेटा संरक्षण और नागरिकों की राजनीतिक एवं डिजिटल साक्षरता आवश्यक हैं। लोकतंत्र की सुरक्षा केवल संसद या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह नागरिक समाज, न्यायपालिका, मीडिया, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत और स्वयं नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाओं से अधिक उसकी नागरिक चेतना है। जब नागरिक प्रश्न पूछना छोड़ देता है, सत्ता से जवाब मांगना छोड़ देता है और सार्वजनिक नीतियों को समझे बिना केवल प्रचार और भावनात्मक नारों के आधार पर राजनीतिक निर्णय लेने लगता है, तब लोकतंत्र का बाजारकरण आसान हो जाता है।

दुःख भरी संसार

उदय कशोर साह

कविता

जीवन तो हमें दे दी। तुँने ओ विधाता
पर क्यूँ बजा रहे हो धिन धिन ता ता
जैसे ढोलक के अन्दर। से होता है खोल
परेशानी व संघर्ष की पढ़ा रहे क्यूं भूगोल

क्या कह कर जन्म दिया था क्या हम पाया
सुख शांति जीवन में कभी घर नहीं। आया
मृगतृष्णा सी बन गई जीवन की ये कहानी
सब्जबाग दिखलाया था कहाँ गई वो पेहानी

कभी भूखे फुटपाथ पे हमें तुम रात में सुलाया
बचपन से लेकर जवानी तक सिर्फ आश दिलाया
कभी पास पड़ोसी बन जाता जीवन की बैशाखी
पर्णकुटी कभी बनी हमारी सपनों की अब दासी

धन दौलत से गुलजार है ये बेरहम जग तुम्हारी
दहेज बिना ना व्याही जाती जहाँ पे कुँवारी
शादी व्याह बन गया समाज का एक व्यापार
जीवन में उग आई मुसीबत की खर पतवार

जग है तुम्हारी मुसीबत की गहरी बहती दरिया
जीवन को बना दी तुम हँसने की कमजोरियां
गर यही है तेरी दी हुई जीवन तो जीना है बेकार
वापस ले लो तुम ये गम भरी मेरी दु:ख की संसार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मरीज ग्राहक नहीं, कैदी है- अस्पताल में विकल्पहीनता का सच

प्रो. आरके जैन
लेखक

अस्पताल के दरवाजे तक आदमी बीमारी लेकर पहुंचता है, लेकिन लौटते समय अक्सर भारी बिल का बोझ साथ होता है। हैरानी यह कि इलाज का सबसे महंगा हिस्सा हमेशा दवा या ऑपरेशन नहीं होता; कई बार कुछ रुपये की मामूली प्लास्टिक ट्यूब ही जेब पर सबसे बड़ा वार कर जाती है। महाराष्ट्र एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंडे की सर्वे रिपोर्ट ने मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों पर भारी मार्कअप की यही चुभती हकीकत सामने रखी है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये (2,841 प्रतिशत मार्कअप), 6.75 रुपये की सिरिंज 57.20 रुपये और 29.41 रुपये का कैथेटर 310 रुपये में मरीज तक पहुंच सकता है। यानी बीमारी का इलाज विज्ञान करता है, लेकिन बिल का हिसाब ऐसा है कि मरीज को हर कदम पर अपनी जेब का इलाज करना पड़ता है।

2,841 प्रतिशत का मार्कअप यानी खरीद कीमत का लगभग 29 गुना-मामूली आंकड़ा नहीं। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में मरीज के बिल तक पहुंच सकता है, तो सवाल है कि कीमत इतनी क्यों बढ़ी? अस्पताल के अपने खर्च हैं-स्टाफ, मशीनें, बिजली-पानी और दूसरी व्यवस्थाएं। यह उचित है। लेकिन अस्पताल कोई धर्मशाला नहीं, तो मरीज भी बीमारी के नाम पर पैसा उगलने वाला एटीएम नहीं। दस-बीस प्रतिशत के सामान्य व्यापारिक मार्जिन और हजारों प्रतिशत के अंतर को एक तराजू में नहीं तौला जा सकता। 11.05 रुपये की वस्तु 325 रुपये में पहुंचे, तो सवाल सिर्फ मुनाफे का नहीं, पारदर्शिता का है। इलाज में कीमत का सच छिपेगा, तो भरोसा भी धीरे-धीरे भय में बदल जाएगा।

बाजार में ग्राहक के पास मोलभाव और विकल्प होते हैं; अस्पताल के बिस्तर पर पड़ा मरीज इनसे लगभग वंचित होता है। दुकान पर महंगी चीज छोड़कर दूसरी दुकान जा सकते हैं, लेकिन अस्पताल में बीमारी की तात्कालिकता, डॉक्टर की सलाह और परिवार की चिंता विकल्प सीमित कर देती है। वह चाहकर भी नहीं कह सकता-'सिरिंज महंगी है, दूसरी जगह से ले आता हूं।' उस क्षण वह ग्राहक नहीं, अपनी मजबूरी के हवाले मरीज होता है। इसलिए मेडिकल आइटम की मनमानी कीमत केवल पैसे नहीं, अधिकार का सवाल है। मरीज को पता होना चाहिए कि वस्तु कितने में खरीदी गई, उसकी निर्धारित कीमत क्या है और उससे कितनी रकम ली जा रही है। इलाज में पारदर्शिता सुविधा नहीं, मरीज का अधिकार है।

मरीज के हाथ में पहुंचा बिल कहानी का आखिरी पन्ना है; कीमत का खेल उससे बहुत पहले शुरू होता है। तुकाराम मुंडे की रिपोर्ट इसी परत को खोलती है। निमार्ता से वितरक और आपूर्ति श्रृंखला के अलग-अलग पड़ावों तक कीमत बढ़ती है। मुंडे के अनुसार, एमआरपी अक्सर अस्पताल पहुंचने से पहले ही तय हो चुका होता है, जिसका अंतिम बोझ मरीज के बिल पर पड़ता है। दवाओं की कीमतों पर नियमन है, लेकिन अधिकांश मेडिकल उपभोग्य सामग्रियां लंबे समय तक ऐसी कठोर निगरानी से बाहर रहीं। नतीजा यह कि इलाज की जरूरी मामूली वस्तु भी कीमतों की ऐसी भूलभुलैया में पहुंच गई, जिसका रास्ता मरीज को दिखाई नहीं देता। अब उद्योग संगठन भी उचित मूल्य और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। यानी सवाल किसी एक अस्पताल का नहीं, पूरी व्यवस्था की जवाबदेही का है।

बीमारी घर में आती है तो सबसे पहले बजट टूटता है। मध्यमवर्ग सबसे अधिक पिसता है-न पूरी सरकारी मदद मिलती है, न निजी इलाज का भारी खर्च आसानी से उठता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने इलाज की पहुंच बढ़ाई है, फिर भी निजी अस्पतालों में मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों का खर्च बड़ा सवाल है। कई बार दवाओं से ज्यादा बिल उन छोटी चीजों का बनता है, जिन्हें मरीज बाजार में सस्ता समझता है। फिर परिवार सोचता है-कहां से उधार लें, क्या गिरवी रखें, कौन-सा खर्च रोकें। बीमारी मरीज को बिस्तर पर लिटाती है, भारी बिल पूरे परिवार की कमर तोड़ देता है। इसे सिर्फ व्यापार कहना इस पीड़ा को छोटा करना है।

मरीज को इलाज चाहिए, सिफारिशों की फाइल नहीं। सरकार नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी और संबंधित विभाग को सिफारिश भेज चुकी है, लेकिन जरूरत अब कागज से आगे बढ़ने की है। जरूरी मेडिकल उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कीमतों पर नियंत्रण हो, व्यापारिक मार्जिन की तार्किक सीमा तय हो और बिल में खरीद मूल्य व मरीज से वसूली गई रकम साफ लिखी जाए। मरीज को अपने इलाज का हिसाब समझने के लिए अर्थशास्त्र पढ़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उसे बस पता हो कि वस्तु कितने में आई और उससे कितने लिए गए। स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता कोई सुविधा नहीं, भरोसे की पहली शर्त है।

यह समस्या महाराष्ट्र की सीमा पर खड़ी कोई अकेली दीवार नहीं है। निजी स्वास्थ्य व्यवस्था में अस्पताल का बिल, इलाज की कीमत और बीमा खर्च एक-दूसरे से जुड़े हैं। आज बढ़ा इलाज खर्च कल बीमा प्रीमियम के रूप में आम आदमी की जेब पर लौट सकता है। सवाल सीधा है-स्वास्थ्य सेवा का मकसद मरीज को स्वस्थ करना है या उसकी मजबूरी से कमाई करना? अस्पतालों को खर्च निकालने और उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन मुनाफे की भी सीमा और मयार्दा होती है। जिस मरीज के पास बीमारी के समय सौदेबाजी का विकल्प नहीं, उसकी मजबूरी कमाई का आधार बन जाए तो स्वास्थ्य सेवा का भरोसा ही कटघरे में खड़ा हो जाता है।

अस्पताल में इलाज के साथ भरोसा भी दांव पर होता है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में बिकना इसी भरोसे पर सवाल है। बीमारी में परिवार डॉक्टर, अस्पताल और व्यवस्था पर विश्वास करता है कि उसकी मजबूरी समझी जाएगी, उसका फायदा नहीं उठाया जाएगा। लेकिन मामूली मेडिकल वस्तु पर हजारों प्रतिशत का अंतर सामने आए तो चोट जेब और विश्वास, दोनों पर पड़ती है।

आर.एस.एम. कॉलेज धामपुर के नाम जुड़ा ऐतिहासिक गौरव कृषि संकाय में पहली पीएचडी पूरी कर राजेश कुमार ने बढ़ाया मान

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के कृषि संकाय के इतिहास में एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध आर. एस. एम. (पी.जी.) कॉलेज, धामपुर (बिजनौर) के कृषि संकाय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग के शोधार्थी राजेश कुमार ने अपने शोध निर्देशक डॉ. रवि धनकड़ के कुशल एवं दूरदर्शी निर्देशन में 'इवैल्यूएशन ऑफ सॉइल फिजिको-केमिकल प्रॉपर्टीज ऑफ डिस्ट्रिक्ट पीलीभीत (यू.पी.)' विषय पर अपने शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न की है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के इतिहास में पूर्ण होने वाली पहली पीएच.डी. उपाधि है। अपने शोध के दौरान शोधार्थी राजेश कुमार ने पीलीभीत जिले के विभिन्न विकासखंडों से वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार मृदा के नमूने एकत्रित किए। इन नमूनों के भौतिक एवं रासायनिक गुणों तथा विभिन्न पोषक तत्वों का विस्तृत प्रयोगशाला विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन के माध्यम से जिले की मृदाओं की स्थानिक विविधता तथा उनमें उपलब्ध पोषक तत्वों की स्थिति का एक विस्तृत वैज्ञानिक डेटाबेस तैयार किया गया है। इस शोध की एक महत्वपूर्ण तकनीकी विशेषता आधुनिक जीआईएस और जीपीएस तकनीकों का उपयोग है। इनके माध्यम से जिले की मृदा उर्वरता तथा विभिन्न पोषक तत्वों के स्थानिक वितरण को दर्शाने वाले डिजिटल मानचित्र तैयार किए गए हैं। ये मानचित्र कृषि योजना एवं मृदा प्रबंधन के लिए उपयोगी वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हैं। अपने शोधार्थी की इस सफलता पर विचार व्यक्त करते हुए डॉ. रवि धनकड़ ने बताया कि यह शोध केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यावहारिक रूप से किसानों के लिए भी उपयोगी है। इस अध्ययन से कृषि अधिकारियों एवं किसानों को मृदा परीक्षण आधारित और क्षेत्र-विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन की योजना तैयार करने के लिए एक मजबूत वैज्ञानिक आधार प्राप्त होगा। इसकी सहायता से किसान संतुलित उर्वरकों का प्रयोग कर सकेंगे, जिससे मृदा की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने, अनावश्यक कृषि लागत को कम करने तथा टिकाऊ कृषि के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

विद्युत विभाग की छापेमारी में पांच उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गए

17 परिसरों की जांच, बकायेदारों के नौ विद्युत संयोजन काटे; मौके पर एक लाख रुपये से अधिक की बिल वसूली

वेलकम इंडिया/राजीव चौधरी

गागलहेड़ी। विद्युत विभाग की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गागलहेड़ी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापेमारी कर पांच उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा। विभाग की कार्रवाई से क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं में खलबली मच गई। पकड़े गए उपभोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है। सहारनपुर के मुख्य अभियंता हेमराज सिंह, अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार, अधिशासी अभियंता राज कपूर तथा कैलाशपुर के उपखंड अधिकारी अंकित त्यागी के निर्देशानुसार 33/11 केवी उपकेंद्र खजूरी अकबरपुर के अंतर्गत गांव खानपुरा, नन्हेरा गाजी और गागलहेड़ी में विद्युत विभाग की टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान विभागीय टीम ने कुल 17 विद्युत परिसरों की जांच की। जांच के दौरान पांच उपभोक्ताओं को विद्युत चोरी करते हुए पाया गया। सभी के खिलाफ विद्युत नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अपने विद्युत बिल का भुगतान निर्धारित समय पर करें और किसी भी प्रकार से बिजली की चोरी न करें। अधिकारियों ने कहा कि विद्युत चोरी के कारण विद्युत व्यवस्था प्रभावित होती है। विभाग द्वारा क्षेत्र में नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, ताकि विद्युत चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और उपभोक्ताओं को सुचारु रूप से विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके। चेकिंग अभियान में अवर अभियंता मुकुल कुमार, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, संदीप कुमार, सूरजभान तथा लाइनमैन शहजाद सहित विद्युत विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर के उपकारण चोर गिरोह का पदार्फाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

छह ट्रांसफार्मर की कॉपर कॉइल, अवैध असलहा, चोरी की बाइक व उपकरण बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने विद्युत ट्रांसफार्मर के उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई छह ट्रांसफार्मर की कॉपर कॉइल, अवैध असलहा, घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल तथा ट्रांसफार्मर चोरी करने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के जंगल ग्राम बलवापुर, रतनगढ़, खिलवाई और शाहपुर चौधरी सहित जनपद गौतमबुद्धनगर एवं मेरठ में विद्युत ट्रांसफार्मर के उपकरण चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। कार्रवाई थाना प्रभारी गढ़मुक्तेश्वर देवेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में की गई।

ब्रज के राजा का जन्मोत्सव: बलदेव छठ पर दाऊजी महाराज के दरबार में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

मथुरा। बलदेव छठ पर श्री दाऊजी महाराज के जन्मोत्सव में सुबह से ही लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। विशेष पंचामृत अभिषेक, श्रृंगार और हीरा-जवाहरात के दर्शन आकर्षण का केंद्र रहे। मंदिर में समाज गायन, भजन, नफीरी वादन और नंदोत्सव का आयोजन हुआ, जबकि 108 वेदपाठी व विद्वानों ने श्री बलभद्र पाठ और हवन-यज्ञ किया। श्रीदाऊजी महाराज का जन्मोत्सव बलदेव छठ पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब सुबह से ही उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने जन्मोत्सव पर विशेष दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्री दाऊजी का विशेष पंचामृत स्नान व अभिषेक श्रृंगार हीरा जवाहरात के विशेष दर्शनों में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। नफीरी की धुन व भजनों पर श्रद्धालु थिरकते रहे। समाज गायन में सेवायत श्रद्धालुओं ने जन्मोत्सव के पदों का गायन किया। जन्मोत्सव की खुशी में श्रद्धालुओं की भीड़-भाड़ सुबह से शाम तक उमड़ती रहीं। नंदोत्सव में नारियल फल प्रसाद लुटाए गए। सभी श्रद्धालु चारों ओर उमड़े श्रद्धालुओं ने दृश्य को देख कर आनंदित हो गये। मंदिर में विशेष रूप से 108 वेद पाठी व विद्वानों ने श्री बलभद्र पाठ का आयोजन किया। विशेष हवन यज्ञ किया गया। जिससे श्रद्धालु धन्य हो गये। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। मंदिर में नफीरी वादन की धुन पर महिला व पुरुष युवतियां भजनों पर नाचते गाते हुए नजर आए। बोल श्री दाऊजी महाराज की जय जयकार बोल रेवती मैया की जय जयकार हुई। इस दौरान लगातार भीड़भाड़ उमड़ती रहीं।

चेकिंग के दौरान बाबूगढ़ पुलिस ने अवैध चाकू के साथ अभियुक्त दबोचा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है। थाना बाबूगढ़ प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध अभियुक्त को पकड़कर उसकी तलाशी ली, जिसके कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुरादाबाद में राष्ट्रहित इंडियन पार्टी (सेक्युलर) ने 13 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडियासंवाददाता

मुरादाबाद। राष्ट्रहित इंडियन पार्टी (सेक्युलर) के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं व ग्रामीणों ने जिला अध्यक्ष अशोक कुमार गिहार के नेतृत्व जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी समेत विभिन्न सामाजिक मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने गिहार समाज को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने, मुरादाबाद के हैलेट रोड स्थित एक पुराने धार्मिक स्थल की भूमि के संबंध में जांच कराने, जोगी, बंजारा और लोहार जातियों को अनुसूचित जाति/जनजाति का दर्जा देने जैसी मांगें उठाई हैं। प्रदेश सचिव शिवकुमार गिहार ने बताया पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी तहसीलों में बेड़ा और सपेरा जाति के लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग भी की। इसके अलावा ज्ञापन में जातिसूचक एवं अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल पर रोक लगाने, सर्वोच्च न्यायालय के उपवर्गीकरण संबंधी आदेश को लागू करने तथा भूमि कब्जे से जुड़े मामलों के लिए नया कानून बनाने की मांग की गई है। 500 और 200 रुपये के नोटों पर संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर का चित्र लगाने, गोंडा के विनोद कुमार निषाद हत्याकांड में आरोपियों को फांसी की सजा देने और यूजीसी के रेगुलेशन एक्ट को तत्काल लागू करने की मांग भी शामिल है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश में चौकीदारों और संविदा सफाई कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी तथा जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार से कानून लाने की मांग की। शिवकुमार और अशोक कुमार गिहार ने बताया कि इन मांगों को लेकर 17 अक्टूबर 2026 को उत्तर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

बिना नंबर टेंपो और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद हापुड़ में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना नंबर के चल रहे टेंपो तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। ट्रैफिक टीआई नरेश कुमार ने शहर में स्वयं मोर्चा संभालते हुए विभिन्न स्थानों पर वाहनों की चेकिंग कराई। इस दौरान वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। शराब का सेवन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। टीआई नरेश कुमार ने वाहन चालकों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें, वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें और शराब का सेवन कर किसी भी स्थिति में वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भक्ति और श्रद्धा के साथ यूनिवर्सल परिवार ने हरिद्वार गंगा में किया गणपति विसर्जन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आयोजित गणेश उत्सव के 3 दिवस के समापन पर यूनिवर्सल परिवार की ओर से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक विसर्जन हरिद्वार में किया गया। इस अवसर पर पूरे वातावरण में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजते रहे। यूनिवर्सल परिवार द्वारा गणेश उत्सव के दौरान भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर नियमित रूप से पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। श्रद्धालुओं ने गणपति जी को मोदक का भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। विसर्जन के मौके पर यूनिवर्सल एकेडमी के प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी एवं उपप्रधानाचार्य खुशबू कर्नवाल, अंजना त्यागी व सहित यूनिवर्सल परिवार के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक गणपति जी को विदाई दी। सभी ने अगले वर्ष पुनः पधारने की प्रार्थना के साथ गणपति प्रतिमा का गंगा जी में विसर्जन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने पर्यावरण एवं धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए श्रद्धा और उल्लास के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी। पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा और 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष से गूंज उठा।

क्षेत्रीय पार्षद, विधायक व सांसद नई शिक्षा नीति को करायें विद्यालयों में लागू- बाल साहित्यकार प्रभाकांत सक्सेना

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। जनपद के परिषदीय,स्व-वित्तपोषीय, अर्ध-वित्तपोषीयतथा सीबीएसई व आईसीएससी मान्यता वाले अधिकतर विद्यालयों में अभी तक नई शिक्षानीति - 2020 को लागू नहीं किया गया है जिसके चलते मातृ भाषा हिन्दी की स्थिति बेहद दयनीय बनी है। इसके लिए अभिभावकों को एक जुट होकर क्षेत्रीय पार्षद,विधायक व सांसद को ज्ञापन देना होगा और क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों को चाहिए वह अपने अपने क्षेत्र के विद्यालयों का निरीक्षण कर नई शिक्षानीति 2020 को पूर्णतः लागू करायें जिससे मातृ भाषा हिन्दी सुदृढ बन सके। उक्त वक्तव्य शहर के प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार प्रभाकान्त सक्सेना ने कोमल पंखुड़ियां बेटी समृद्धि समिति एवं सरस्वती पुस्तकालय, सदर बाजार द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत निबन्ध प्रतियोगिता व संगोष्ठी के अध्यक्ष के रूप में सार्वजनिक रूप से देकर हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में सरस्वती पुस्तकालय के सचिव डॉ. शिव प्रताप सिंह चौहान, दलवीर शर्मा, विनय कुमार शर्मा, डॉ. शबनम कुरैशी एवं कु. एलिश कुरैशी अध्यापिका ने हिन्दी दिवस की महत्ता, उसको मनाने के उद्देश्य व स्कूलों और परिवार में हिन्दी भाषा का प्रयोग करने पर बल देते हुए विभिन्न दृष्टिकोड़ों से अपने -अपने विचार व्यक्त किये। दूसरे चरण में कोमल पंखुड़ियाँ द्वारा मातृ दिवस पर शिक्षक वर्ग हेतु आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता बच्चों के प्रति माँ की आकांक्षा विषयक निबन्ध प्रतियोगिता की शिक्षिका विजेता उमा वर्मा, प्रीती प्रजापति, कामिनी कन्नोजिया एवं एलिस कुरैशी को संस्था उपाध्यक्ष दलवीर शर्मा व अन्य अतिथियों द्वारा पुरष्कृत किया गया। इस अवसर पर आशा पंकज गोला, शहादत, आफरीन, तनु, समीक्षा पारीक, स्तुति दास, नीरू अग्रवाल, रेखा, ममता खत्री, सीमा कुरैशी, दिव्या सक्सेना, पूनम चौहान, वंदना, गौरी कश्यप, गजराज सिंह चौहान,समीर आदि उपस्थित रहे।

पद्मावत एक्सप्रेस मे आग कारण था कोच अटेन्डेन्ट की जलती बीडी

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। दस सितम्बर को वाशिंग लाइन में खड़ी प्रतापगढ़ से दिल्ली जाने वाली ट्रेन मे आग लग गयी थी। गनीमत तो यह रही थी कि आग को सफाई कर्मी ने देख लिया जिससे समय रहते आग को बुझा लिया गया था अन्यथा ट्रेन बर्निंग ट्रेन बन सकती थी। जिसकी जांच मे ट्रेन का कोच अटेन्डेन्ट को ही दोषी पाया गया है। पद्मावत एक्सप्रेस ट्रेन में हुए अग्निकांड की जांच के शुरूआत में कई राज खुल रहे हैं। यदि स्मोक अलार्म नहीं बजता और सफाई कर्मी समय से नहीं पहुंचता तो दी बर्निंग ट्रेन वाली पिक्चर की घटना हो जाती। आरोपी कोच अटेंडेंट जगदीश के पास से बीड़ी का बंडल और लाइटर मिला है। घटना के बाद वह कोच से निकलकर चंपत हो गया। मामला उजागर होने पर अपना दोष सहकर्मियों पर थोप रहा था। उसका आरोप था कि उसे फंसाने की साथी साजिश कर रहे हैं। लेकिन वह किसी का नाम बता नहीं पाया। कोच में आग लगने की प्रमुख वजह बीड़ी पीना बताया जा रहा हैं। जांच में पता चला है कि जगदीश कोच की सीट पर लेनन की गठरी(बेड रोल) बनाकर उस पर सिर रखकर लेटा हुआ था। बीड़ी जलाई और पीने लगा। कब नींद आ गई पता ही नही चला।

जाच मे पता चला है कि कोच अटेन्डेन्ट का बीड़ी पीने वाला हाथ बीच वाली सीट से छू गया था। जोबर्थ की रेक्सीन से छू गया। जिससे बर्थ धीरे धीरे जलने लगी। आरोप हैं कि आग लगने पर कोच अटेन्डेन्ट को गर्मी लगी तो वह वहां से भाग गया। लेकिन धुए से अलार्म बज उठा तो दूसरे कोच में झाड़ू लगा रहे स्टाफ ने जब सुना तो वह भागकर उस कोच में पहुंचा। जिसनेसीट को जलता देख चिल्लाकर सभी को बुलाया।किसी तरह आग पर काबू पाया गया। इस विषय मे सीडीओ दिनेश यादव ने बताया कि आरोपी कोच अटेंडेंट जगदीश के पास से बीड़ी और लाइटर मिला है। सफाई कर्मी ने सबसे पहले घटना की सूचना दी।

कटघर क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद, 'टेम्पटेशन' दुकान में लाखों की चोरी

मुरादाबाद (वेलकम इंडिया)। कटघर थाना क्षेत्र की दस सराय चौकी के अंतर्गत करुला स्थित शिव मंदिर के सामने 'टेम्पटेशन' दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर पीछे बने हॉल के रास्ते दुकान में दाखिल हुए और लोहे का गेट तोड़कर करीब एक लाख रुपये की नकदी समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। वारदात के बाद चोर दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी उखाड़कर अपने साथ ले गए। दुकान स्वामी मोहम्मद नदीम के मुताबिक, चोर गल्ले में रखी करीब एक लाख रुपये की नकदी के अलावा दुकान में रखी मिठाइयां और अन्य कीमती खाद्य सामग्री भी समेट ले गए। पीड़ित का कहना है कि एक महीने के भीतर दुकान में चोरी की यह दूसरी घटना है। उन्होंने पहली घटना के बाद ठोस कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए पुलिस गश्त पर सवाल उठाए हैं। सूचना मिलते ही कटघर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की पहचान और उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाने में जुटी है। पीड़ित ने थाना कटघर में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कर चोरों की गिरफ्तारी और चोरी हुआ सामान बरामद करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आज चयनित 140 विद्यार्थियों से सीधे संवाद करेंगे सीएम धामी

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की युवा शक्ति को उत्तराखंड के विकास में सहभागी बनाने की पहल के तहत चलाए गए 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' अभियान का समापन चरण महत्वपूर्ण होने जा रहा है। 'कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखंड?' विषय पर प्रदेशभर के विद्यार्थियों से विचार और सुझाव आमंत्रित किए जाने के बाद मुख्यमंत्री धामी 18 सितंबर को चयनित 140 छात्र-छात्राओं के साथ सीधे संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री ने संवाद को अधिक व्यापक और सार्थक बनाने के लिए शासन के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों को भी चयनित विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के साथ संवाद से पहले वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों से उनके विचार, सुझाव और उत्तराखंड के भविष्य को लेकर उनके दृष्टिकोण को समझेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, वन एवं पर्यावरण, स्वरोजगार, पलायन, लोक निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विभागों के अधिकारी युवाओं के सुझाव सुनेंगे और उनके महत्वपूर्ण विचारों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि युवा केवल उत्तराखंड का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान में नीति निर्माण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण सहभागी हैं। इसी सोच के साथ 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' को महज प्रतियोगिता तक सीमित न रखकर युवाओं और सरकार के बीच व्यापक वैचारिक संवाद का मंच बनाया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान में प्रदेश के करीब तीन लाख कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को जोड़ा गया। इनमें से 2,67,744 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से 'कैसा हो मेरे सपनों का उत्तराखंड?' विषय पर अपने विचार और सुझाव सरकार तक पहुंचाए। विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी से यह अभियान बड़े युवा संवाद के रूप में सामने आया है।

प्राप्त विचारों में से 140 श्रेष्ठ एवं सार्थक विचार प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने स्वयं भी प्रदेश के विभिन्न नगरों में विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनके विचार सुने और उनके दृष्टिकोण पर संवाद किया। अब अभियान के अंतिम चरण में चयनित विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री के साथ सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के साथ संवाद और सहभागिता में विश्वास रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य देश के सामने रखा है। उत्तराखंड के युवा भी इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देवभूमि के युवा अपनी प्रतिभा, नवाचार और विचारों के माध्यम से विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें, यही 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' का मूल उद्देश्य है।

इस अभियान के माध्यम से सरकार ने शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, पलायन, पर्यटन, पर्यावरण, तकनीक और महिला सशक्तिकरण सहित उत्तराखंड के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर युवा पीढ़ी की सोच और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास किया है। लाखों विद्यार्थियों की भागीदारी ने इस पहल को व्यापक जनसंवाद का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री का मानना है कि युवाओं के विचारों को केवल सुना ही नहीं जाना चाहिए, बल्कि उन्हें विकास की नीतियों और योजनाओं से जोड़ने का भी प्रयास होना चाहिए। इसी उद्देश्य से 18 सितंबर को मुख्यमंत्री और चयनित 140 विद्यार्थियों के बीच होने वाला सीधा संवाद अभियान के अंतिम चरण का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा।

पानीगांव में शुरू हुआ 250 वर्ष पुराना तीन दिवसीय वायगीर मेला, 72 घंटे तक गूंजेगी वायगीरों की थाली की आवाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र के पानीगांव में दशकों वर्षों से चला आ रहा बलदेव छठ का तीन दिवसीय वायगीर मेला आज से परम्परागत अनुसार शुरू हो गया है। जिसमें लगभग तीन दिनों तक गंगा मंदिर, हनुमान बगीची, और मदा अखाड़े पर थाली की आवाज दूर-दूर तक गुंजायमान होगी। जानकारी के अनुसार पानीगांव में लगने वाला बलदेव छठ का तीन दिवसीय वायगीर मेला परम्परागत अनुसार करीब 250 वर्षों से चला आ रहा है जिसमें वायगीरों द्वारा थाली की थाप पर रामायण का गायन करके कंठमाला, विषवेल का लगभग तीन दिनों तक पानीगांव में अलग-अलग तीन स्थानों पर निःशुल्क उपचार किया जाएगा। जबकि मेला के दूसरे दिन शुक्रवार को मंत्रों के माध्यम से झाड़ फूंक कर सर्पदंश के मरीजों को वायगीरों द्वारा पूर्व में लगाए गए अमर बंद खोले जाएंगे। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार 250 वर्षों से पानीगांव में चले आ रहे बलदेव छठ के इस तीन दिवसीय वायगीर मेला में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश और हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड तक के हजारों लोग वायगीरों से सर्पदंश, कंठमाला, विषवेल और जहरीले जीव जन्तुओं द्वारा काटे जाने पर निशुल्क उपचार कराने मेला में प्रत्येक वर्ष आते हैं। इस दौरान मेला में उपचार को आने वाले बाहरी लोगों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था पूर्व प्रधान और ग्रामीणों के सहयोग से भंण्डारा लगाकर की जाती है।

धोखाधड़ी मामले में 5 माह बाद भी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं, क्राइम ब्रांच पुलिस पर उठ रहे सवाल

एसएसपी के आदेश पर गोवर्धन थाने में दर्ज हुआ था आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन और मकान बिक्री के मामले में 5 महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ मुख्य आरोपियों तक नहीं पहुंच सके हैं। एसएसपी के आदेश पर कराई गई सीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन क्राइम ब्रांच पुलिस की ढीली कार्रवाई को लेकर अब सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित विहारी लाल मिश्रा ने मुकेश मिश्रा, अखिल मिश्रा, प्रदीप अग्रवाल (उर्फ चिंकू), रेखा, राधा वल्लभ, विकास और कृष्ण गोपाल के खिलाफ कूटरचित (फर्जी) दस्तावेज तैयार कर शामिल खाते की कृषि भूमि और मकान बेचने के आरोप में धोखाधड़ी का मुकदमा गोवर्धन थाने में दर्ज कराया था। बीते 10 दिन पूर्व गोवर्धन पुलिस ने मुकेश मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि मास्टर माइंड प्रदीप अग्रवाल समेत अन्य आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। मामले में नामजद आरोपी मुकेश मिश्रा को जेल भेजकर पुलिस ने अपनी कार्रवाई की खानापूर्ति कर दी है। जबकि मुख्य आरोपी प्रदीप अग्रवाल उर्फ चिंकू समेत अन्य नामजद आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि एसपी क्राइम की अनदेखी के चलते क्राइम ब्रांच पुलिस आरोपियों को संरक्षण प्रदान कर रही है, जिससे जांच और कार्रवाई प्रभावित हो रही है। विहारी लाल मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्रभावी निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद लेकर क्राइम ब्रांच में मुकदमा ट्रांसफर करवाया था, लेकिन क्राइम ब्रांच पुलिस भी मामले में लापरवाह बनी हुई है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय खजुरी का डीएम ने किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने विकासखंड सांथा अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय खजुरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में पठन-पाठन की स्थिति, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा विद्यालय भवन की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पंजीकृत 86 छात्राओं के सापेक्ष मात्र 37 छात्राएं उपस्थित मिलीं। वहीं तीन पूर्णकालिक शिक्षिकाओं के सापेक्ष एक शिक्षिका अनुपस्थित पाई गई। जिलाधिकारी ने छात्राओं से पठन-पाठन की गुणवत्ता और शिक्षण कार्य के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें नियमित रूप से पढ़ाई करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण में यह भी जानकारी मिली कि विद्यालय में अंग्रेजी विषय के शिक्षक की व्यवस्था नहीं है। इस पर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने शौचालय और भवन की स्थिति देखी, जो संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर उन्होंने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को टीम गठित कर विद्यालय भवन की तकनीकी जांच कराने तथा जांच आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय भवन की मरम्मत के लिए करीब दो वर्ष पूर्व उपलब्ध कराई गई धनराशि के व्यय की भी जांच कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय की उपस्थिति पंजिका का भी निरीक्षण किया। पंजिका में विगत जुलाई माह के निरीक्षण से संबंधित कोई टिप्पणी अंकित नहीं मिली। इस पर उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के बगल में निमार्णाधीन उच्चीकृत विद्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आवासीय विद्यालयों में छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर ओएसडी राकेश कुमार, कृष्णा गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने 01 अदद अवैध तमंचा के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 विनोद कुमार यादव, का0 अनिल यादव, का0 कृष्ण नारायण गौंड़, का0 संतोष यादव ने बृहस्पतिवार को अवैध शस्त्रों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मंझरिया रेलवे क्रासिंग के पास एक अभियुक्त अरबाज पुत्र सकील निवासी गड़सरपार थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 871/2026 धारा 9/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मोदी के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने काटा केक, हुआ सम्मान

भाजपा नेता नाथनगर ब्लाक प्रमुख रामवृक्ष यादव ने केक काटकर मनाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को नाथनगर ब्लॉक परिसर स्थित मीटिंग हॉल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता एवं नाथनगर ब्लॉक प्रमुख रामवृक्ष यादव ने की। इस दौरान केक काटकर प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। ब्लॉक प्रमुख रामवृक्ष यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख ने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। सम्मान मिलने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी कुलदीप कुमार, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता बुद्धिसागर मिश्र, मंडल अध्यक्ष संतलाल मौर्य, विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला मंत्री राजेंद्र राय, मंडल महामंत्री डॉ.धनुषधारी सिंह, मंडल महामंत्री रामबचन राजभर, मंडल अध्यक्ष दिनेश चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला, सेक्टर प्रमुख दिलीप त्रिपाठी, मंडल उपाध्यक्ष व्यास धर दुबे, दशरथ चौधरी, कपिल देव चौधरी, विजय शंकर राय, एडीओ आईएसबी अभय प्रताप सिंह, संजय पांडेय, एडीओ पंचायत सतीश कुशवाहा, रामसिंह यादव, ओमवीर यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए: डॉ. मोहम्मद अजमल

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। बृहस्पतिवार को एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर द्वारा मठियापार में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने शिविर का लाभ उठाये। इस अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बेलहर कला ब्लाक के मठियापार में एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डायरेक्टर डा. मोहम्मद अजमल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है। निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से जो लोग किसी कारणवश हॉस्पिटल तक जा नहीं पाते। वह इसका लाभ उठा सकते हैं। स्वास्थ्य शिविर में डायरेक्टर डॉ. मोहम्मद अजमल, डॉ. अनुपमा गुप्ता, डॉ. गुलाम अख्तर, डॉ. महबूब आलम, डॉ. अब्दुल कय्यूम, डॉ. अंकित मोदी, डॉ. अखिलेश चौधरी, डा. अयाज आलम ने मरीजों की निः शुल्क जांच की और दवाएं व उचित परामर्श भी दिये। इस अवसर पर आनन्द कुमार पाण्डेय, नन्दलाल निषाद, वकील चौधरी, परशुराम यादव, शकील अहमद, बृजेश कुमार भारती, वसीमा, सुनीता, फरीदा, एहतेशाम, दीपक, वकील, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

डीएम ने किसानों के दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एक्सटेंशन योजना के अंतर्गत सात दिवसीय अंतर्राज्यीय कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम के लिए किसानों के दल को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने किसानों को प्रतिष्ठित कृषि संस्थानों का भ्रमण कर नवीन एवं आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रमों से किसानों को खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी मिलेगी, जिसका उपयोग वे अपने खेतों में कर उत्पादन और आय बढ़ाने की दिशा में बेहतर कार्य कर सकेंगे। सात दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसानों का दल भारतीय गेहूं अनुसंधान संस्थान, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान तथा गुरुकुल प्राकृतिक खेती प्रक्षेत्र सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों का भ्रमण करेगा। इस दौरान किसानों को फसल उत्पादन, प्राकृतिक खेती, गन्ना एवं गेहूं की उन्नत तकनीक तथा डेयरी क्षेत्र से संबंधित आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। उप कृषि निदेशक डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि आत्मा योजना का उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के माध्यम से किसानों को खेती की नई तकनीकों, उन्नत कृषि पद्धतियों और वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही छोटे एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें सशक्त बनाने तथा पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम से उन्हें विभिन्न कृषि संस्थानों में अपनाई जा रही उन्नत तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से समझने और सीखने का अवसर मिलेगा। इससे किसान अपने क्षेत्र में इन तकनीकों का प्रयोग कर कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर सकेंगे।

प्रतिमा विसर्जन स्थल पर गंदगी का अंबार, लोगों में नाराजगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकासखंड सांथा के झुड़िया पुल नरा स्थित प्रतिमा विसर्जन स्थल पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। विसर्जन स्थल पर फैली गंदगी और प्रतिमाओं के बचे अवशेष लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। लंबे समय से व्याप्त इस समस्या को लेकर क्षेत्रीय लोगों में जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति नाराजगी है।

सांथा ब्लॉक क्षेत्र के झुड़िया पुल नरा में गणेश, दुर्गा और लक्ष्मी आदि देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। लेकिन विसर्जन स्थल पर पर्याप्त साफ-सफाई और व्यवस्था नहीं होने के कारण प्रतिमाओं के अवशेष पानी के ऊपर ही रह जाते हैं। बुधवार को गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया था, लेकिन इसके अवशेष अभी तक स्थल पर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा आसपास बड़ी मात्रा में कूड़ा-कचरा भी जमा है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि प्रतिमा विसर्जन स्थल होने के बावजूद यहां नियमित रूप से साफ-सफाई नहीं कराई जाती है। जानकारी देने और समस्या के समाधान की मांग किए जाने के बाद भी संबंधित जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गंदगी के कारण प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थल पर जमा गंदगी और पानी के कारण मच्छरों के पनपने के साथ ही जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते साफ-सफाई और उचित व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से प्रतिमा विसर्जन स्थल की तत्काल साफ-सफाई कराने, प्रतिमाओं के अवशेष हटवाने तथा नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

विश्वकर्मा पूजा पर रोहित पाण्डेय ने दी क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं

डीघा बाईपास पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल, भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का किया अनावरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विश्वकर्मा जयंती एवं विश्वकर्मा पूजा के पावन अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेता रोहित पाण्डेय ने खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का दौरा कर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान उन्होंने डीघा बाईपास पर आयोजित भव्य विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्थानीय लोगों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सपा नेता रोहित पाण्डेय ने विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक भगवान विश्वकर्मा की पावन प्रतिमा का अनावरण किया तथा पूजन-अर्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा के चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए क्षेत्र, प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रोहित पाण्डेय ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृजन, निर्माण, कौशल और कर्म का आराध्य देव माना जाता है। देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने मानव समाज को निर्माण और रचनात्मकता की प्रेरणा दी है। विश्वकर्मा पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि मेहनत, हुनर, तकनीक और कर्म के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज और देश के विकास में मेहनतकश लोगों, कारीगरों, शिल्पकारों, तकनीकी विशेषज्ञों और श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। भगवान विश्वकर्मा की पूजा हमें अपने कर्म के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण की प्रेरणा देती है। उन्होंने प्रभु विश्वकर्मा से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनकी असीम कृपा से संपूर्ण विश्व का कल्याण हो तथा समाज में आपसी भाईचारा और विश्व बंधुत्व की भावना और अधिक मजबूत हो। रोहित पाण्डेय ने खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के समस्त निवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और प्रगति के निरंतर संचार की मंगलकामना करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ पर्व को मनाएं। उन्होंने विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी कारीगरों, श्रमिकों, व्यापारियों और क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सौरभ जायसवाल, शैलेंद्र यादव, पवन यादव, अर्जुन यादव, भोला चौधरी और विपिन राय समेत बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में लोगों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

बीपी-शुगर जांच के बाद रक्तदान को पहुंचे सांसद जगदंबिका पाल, सीएमओ के आग्रह पर रुके

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा संकल्प अभियान के तहत बृहस्पतिवार को मेडिकल कॉलेज स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदान करने पहुंचे डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने पहले अपना बीपी और शुगर जांच कराया। इसके बाद वह रक्तदान के लिए आगे बढ़े, लेकिन सीएमओ डॉ. संजय कुमार दोहरे ने उनसे रक्तदान न करने का अनुरोध किया। सीएमओ ने सांसद से कहा कि रक्तदान के लिए पर्याप्त संख्या में लोग मौजूद हैं, इसलिए वह रक्तदान न करें। सदर विधायक श्यामधनी राही ने भी सांसद से रक्तदान नहीं करने का आग्रह किया। काफी अनुरोध के बाद सांसद ने रक्तदान का निर्णय टाल दिया। सांसद के ब्लड बैंक पहुंचने के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, सीडीओ बलराम सिंह, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही समेत अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अभियान के तहत बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया।

मिशन शक्ति 5.0: महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

हजारा/पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत थाना हजारा पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने जागरूकता अभियान चलाया। टीम ने क्षेत्र में बालिकाओं, महिलाओं तथा आमजन को महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया।पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी, छेड़छाड़, उत्पीड़न, धमकी अथवा असुरक्षा की स्थिति में चुप रहने के बजाय तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना दें। टीम ने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी समस्याएं सामने रखने और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।अभियान के दौरान 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस कर्मियों ने बताया कि साइबर ठगी या ऑनलाइन धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 पर सूचना देना महत्वपूर्ण है, जबकि बच्चों से संबंधित किसी समस्या अथवा संकट की स्थिति में 1098 पर संपर्क किया जा सकता है। मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को सोशल मीडिया और इंटरनेट का सुरक्षित इस्तेमाल करने, अनजान लोगों से ऑनलाइन संपर्क में सावधानी बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी परिजनों अथवा पुलिस को देने के लिए जागरूक किया। महिलाओं को शासन एवं पुलिस की ओर से संचालित सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी गई। पुलिस टीम ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जागरूकता और सजगता के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है।अभियान के दौरान पुलिस ने आमजन से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा नजदीकी पुलिस को सूचना दें।

भवानीगंज में तीन अस्पताल सील, डायग्नोस्टिक सेंटर को नोटिस

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के भवानीगंज कस्बे में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। संचालन से संबंधित जरूरी अभिलेख और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर तीन अस्पतालों को सील कर दिया गया। एक डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक को नोटिस जारी कर अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। एसडीएम डुमरियागंज विवेकानंद मिश्र और सीएचसी बेंवा के अधीक्षक डॉ. विकास चौधरी के नेतृत्व में टीम ने दादा हनुमान मेमोरियल हॉस्पिटल, लखनऊ पॉलीक्लीनिक, के. शिफा हेल्थ क्लीनिक और श्रेष्ठ डायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण किया। दादा हनुमान मेमोरियल हॉस्पिटल में निरीक्षण के दौरान कोई चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। अस्पताल के संचालन से संबंधित जरूरी अभिलेख भी टीम के सामने प्रस्तुत नहीं किए जा सके। लखनऊ पॉलीक्लीनिक और के. शिफा हेल्थ क्लीनिक में भी संचालन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। इस पर टीम ने तीनों अस्पतालों को सील कर संचालकों को नोटिस जारी किया। श्रेष्ठ डायग्नोस्टिक सेंटर में भी संचालन से संबंधित अभिलेख मांगे गए। मौके पर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं होने पर संचालक को नोटिस देकर निर्धारित अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सीएमओ डॉ. संजय कुमार दोहरे ने कहा कि बिना वैध अभिलेख और निर्धारित मानकों के अस्पताल या जांच केंद्र का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। मानकों का उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

खेत जाने के बाद लापता हुआ 12 वर्षीय बालक चंडीगढ़ में मिला

बीसलपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। थाना बीसलपुर क्षेत्र से लापता हुए 12 वर्षीय बालक को पुलिस ने करीब पांच दिन बाद पंजाब के चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बालक के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली।ग्राम भीकमपुर उर्फ परानपुर निवासी उमाचरन पुत्र मदन लाल ने 14 सितंबर को थाना बीसलपुर में तहरीर देकर बताया था कि उनका 12 वर्षीय पुत्र अंश 12 सितंबर को साइकिल से खेत की ओर गया था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार, मामले में मु0अ0सं0 430/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बालक की सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने स्थानीय स्तर पर तलाश करने के साथ ही आसपास के जनपदों और अन्य संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई। पुलिस ने पीलीभीत के विभिन्न स्थानों के अलावा सीमावर्ती जनपद बरेली और शाहजहांपुर में भी तलाश की। इसके साथ ही उत्तराखंड राज्य के संभावित स्थानों पर भी बालक के संबंध में जानकारी जुटाई गई। लगातार किए जा रहे प्रयासों के दौरान पुलिस को बालक के चंडीगढ़ में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने पंजाब राज्य स्थित चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचकर 17 सितंबर को अंश उर्फ अंशु, उम्र करीब 12 वर्ष, को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद बालक को आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। लापता बालक के सुरक्षित वापस मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है।

सम्यता देवी वर्मा सहित कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव पहुंचकर मांगा आशीर्वाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर हर घर में एक दीप जलाने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत ब्लॉक मरौरी की प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों से 'प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर एक दिया आशीर्वाद का अवश्य जलाएं' अभियान में सहभागिता की अपील की। उन्होंने बनकटी, अनवरगंज, रूपपुर और सेजाना गांवों में पहुंचकर ग्रामवासियों से संवाद किया और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा एवं शुभकामना के भाव के साथ मनाने का आह्वान किया। ग्रामीणों से संवाद करते हुए ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल राजनीतिक सफलता की यात्रा के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और सुशासन से जुड़े कार्यों के रूप में भी देखे जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों नागरिकों के भविष्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किए गए हैं। ऐसे अवसर पर देश के प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना करना सभी के लिए शुभ भाव है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर प्रत्येक परिवार अपने घर पर आशीर्वाद और शुभकामना के प्रतीक के रूप में एक दिया अवश्य जलाए। उन्होंने कहा कि यह दीपक देश की उन्नति, शांति, समृद्धि और प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य की कामना का प्रतीक बने। साथ ही सभी ग्रामवासी मिलकर प्रभु श्रीराम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ जीवन और दीघार्यु की प्रार्थना करें।सभ्यता देवी वर्मा ने गांवों में लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर अभियान से जुड़ने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गांवों की सहभागिता से ऐसे कार्यक्रमों को व्यापक रूप दिया जा सकता है। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अभियान में सहयोग करने और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर दीप प्रज्ज्वलित कर शुभकामनाएं देने की बात कही।ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि जन्मदिवस जैसे अवसर केवल उत्सव तक सीमित न रहकर समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी तथा सेवा की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बन सकते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आपसी भाईचारे के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करने का आह्वान किया।

आवास के लिए भाकियू नेता सचिव पर बना रहा दबाव

मां के अपात्र होने के बाद सचिव के खिलाफ शिकायतों का दौर

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। पूरनपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत प्रसादपुर में आवास योजना की पात्रता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाकियू के ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा पर आरोप है कि उनकी मां को आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए ग्राम पंचायत सचिव पर दबाव बनाया जा रहा है। मामले में सचिव ने उच्चाधिकारियों को स्पष्टीकरण देकर अपनी ओर से की गई स्थलीय जांच और पात्रता निर्धारण का आधार बताया है।सचिव के अनुसार, आवास योजना की पात्रता सूची में मीरा देवी पत्नी पाल का नाम क्रमांक दो पर दर्ज था। नियमानुसार मौके पर पहुंचकर उनके आवासीय और पारिवारिक स्थिति की जांच की गई। जांच के दौरान करीब ढाई एकड़ भूमि और पक्का मकान पाए जाने का दावा किया गया। इसके आधार पर योजना के निर्धारित पात्रता मानकों के अनुसार उन्हें अपात्र कर दिया गया।स्पष्टीकरण में सचिव ने बताया कि मीरा देवी भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा की मां हैं। आरोप है कि अपात्र किए जाने के बाद सचिव पर उन्हें आवास योजना में शामिल करने का दबाव बनाया गया। सचिव का यह भी कहना है कि दबाव के बाद उनके विरुद्ध उच्चाधिकारियों के समक्ष लगातार शिकायतें की जा रही हैं।सचिव ने अधिकारियों को दिए स्पष्टीकरण में कहा है कि मीरा देवी को अपात्र करने का निर्णय किसी व्यक्तिगत दुर्भावना के आधार पर नहीं लिया गया, बल्कि स्थलीय सत्यापन और योजना के पात्रता मानकों के आधार पर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान मिले तथ्यों के समर्थन में फोटोग्राफ, जियो-टैग/जियो-लोकेशन संबंधी साक्ष्य और मौके पर मौजूद लोगों के बयान आवश्यकता पड़ने पर प्रस्तुत किए जा सकते हैं।मामले में अब अधिकारियों के स्तर पर शिकायत और सचिव के स्पष्टीकरण के आधार पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

सेवा संकल्प अभियान में दिव्यांगजनों को मिली सहायक उपकरणों की सौगात

छह दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, दो को व्हीलचेयर वितरित; 108 का सहायक उपकरणों के लिए पंजीकरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा कार्यों के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को आदर्श जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पीलीभीत स्थित प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित कर उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने छह दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल तथा दो दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान की। सहायक उपकरण मिलने पर दिव्यांगजनों के चेहरों पर खुशी नजर आई। इस दौरान अधिकारियों और उपस्थित लोगों ने दिव्यांगजनों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से दिव्यांगजनों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। उपस्थित दिव्यांगजनों ने बताया कि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है, जिससे उनके दैनिक जीवन में सहूलियत हुई है।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र पर सहायक उपकरण प्राप्त करने के इच्छुक दिव्यांगजनों का पंजीकरण भी किया गया। कुल 108 दिव्यांगजनों का सहायक उपकरणों के लिए पंजीकरण किया गया। अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सुखवीर सिंह भदौरिया, एमआई/समन्वयक डीडीआरसी सहित केंद्र से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी और अन्य लोग मौजूद रहे। अधिकारियों ने दिव्यांगजनों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की अपील की।

पीलीभीत सपा को मिला नया कप्तान, धर्मेश गंगवार बने जिलाध्यक्ष

संगठन मजबूत करने और गुटबाजी खत्म करने की होगी अग्निपरीक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अनुमोदन पर पीलीभीत समेत छह जिलों में जिला अध्यक्षों के पद पर फेरबदल किया गया है। पीलीभीत में लंबे समय से जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे जगदेव सिंह जग्गा को पद से हटाकर उनकी जगह धर्मेश गंगवार को जिले की कमान सौंपी गई है। बुधवार को आदेश जारी होने के बाद सपा के संगठनात्मक हलकों में इस बदलाव को लेकर चचाएं तेज हो गईं। सपा ने पीलीभीत के अलावा बांदा, अयोध्या, बलिया, गौतमबुद्ध नगर और उन्नाव में भी जिला अध्यक्षों में बदलाव किया है। पीलीभीत में छात्र राजनीति से सक्रिय रहे जगदेव सिंह जग्गा लंबे समय से पार्टी के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान पार्टी को विधानसभा, लोकसभा और नगर निकाय चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। वर्तमान में जिले की चारों विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक हैं, जबकि लोकसभा सीट से भाजपा के जितिन प्रसाद सांसद हैं। नगर निकाय चुनाव में भी सपा का कोई चेहरा जीत दर्ज नहीं कर सका।जगदेव सिंह जग्गा के कार्यकाल के दौरान संगठन के भीतर उनके विरोध की चचाएं भी सामने आती रही हैं। पार्टी के कुछ नेताओं और कार्यकताओं की ओर से राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष उन्हें जिलाध्यक्ष पद से हटाने की मांग किए जाने की बात भी कही जाती रही है। बुधवार को नए जिलाध्यक्ष की घोषणा के बाद विरोधी खेमे में खुशी का माहौल दिखाई दिया। अब धर्मेश गंगवार के सामने संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की चुनौती होगी। खासतौर पर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए सपा की नजर पीलीभीत सदर, पूरनपुर, बीसलपुर और बरखेड़ा विधानसभा सीटों पर है। नए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और चुनावी तैयारियों को मजबूत करने की जिम्मेदारी धर्मेश गंगवार पर होगी। नए जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी में शामिल हुए वरिष्ठ नेता रजनीश गंगवार के सगे साले हैं। नए जिलाध्यक्ष के आगे आगामी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में सपा को मजबूत करने और पार्टी में चल रही गुजबाजी को खत्म करने का भी उन्हें बड़ा कदम उठाना होगा। जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर शेरपुर के सपा नेता अहीद खान, फारुक कादरी, सलमान, आसिफ खान, जैगम खान, सिकंदर खान सहित कई लोगों ने खुशी जाहिर की है। नवाबगंज जिला अध्यक्ष धर्मेश गंगवार ने बताया कि वह इस समय वह लखनऊ है। वह 21 सितंबर को बीसलपुर होते हुए पूरनपुर आएंगे। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी का एक ही कार्यकर्ता उनका सिपाही है। उनके मान सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सोनिया वार्ड में 76 किलो लड्डू बांटकर मनाया पीएम मोदी का जन्मदिन

विधायक सौरभ श्रीवास्तव का तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर किया स्वागत, अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार, 17 सितंबर को सिगरा स्थित सोनिया वार्ड नंबर-77 में कार्यकताओं की ओर से जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने सहभागिता की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को उत्सव के रूप में मनाते हुए आमजन के बीच 76 किलो लड्डू वितरित किए गए। लड्डू वितरण के दौरान कार्यकताओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक सौरभ श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उनके कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर कार्यक्रम संयोजक सोना मौर्या ने तिलक लगाकर तथा पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। वहीं विजय मौर्या ने अंगवस्त्र भेंटकर विधायक को सम्मानित किया। स्वागत के दौरान कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। समारोह के दौरान कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा और जनसहभागिता के रूप में मनाया। कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी। इसके बाद क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों तथा स्थानीय नागरिकों के बीच 76 किलो लड्डू का वितरण किया गया। लड्डू वितरण कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साह के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आमजन के साथ खुशियां साझा करना सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। समारोह के दौरान कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम की व्यवस्था में संयोजक विजय मौर्य एवं सोना मौर्या की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों संयोजकों ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर क्षेत्र में लोगों के साथ मिलकर उत्सव मनाने का उद्देश्य आपसी सहभागिता और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर राजेश कुशवाहा, अभिषेक गोपाल वर्मा, सौरभ सिंह मुन्ना, सुधीर जायसवाल, अशोक बिंद, कुशाग्र श्रीवास्तव, पन्नू लाल बिंद, विशाल सोनकर, विजय विश्वकर्मा, राहुल जायसवाल, राजेश शर्मा, नीतिश सिंह, कृष्णा गौड़, शैलेश सेठ, कन्हैया सेठ, अंकित प्रजापति, रामलाल प्रजापति, राजू यादव, सीता गुप्ता, वंदना चौरसिया, पूनम गुप्ता, सान्या यादव, सुलोचना गुप्ता, रंजना देवी, रेनू सिंह एवं लक्ष्मी चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और आमजन के बीच प्रसाद स्वरूप लड्डू वितरित किए। पूरे आयोजन के दौरान सोनिया वार्ड में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। समारोह का समापन हर्षोल्लास एवं उत्साह के वातावरण में हुआ।

जलभराव से मंदिर की दीवार को खतरा, शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधान, वीडियो वायरल

कांधला (मोहसिन रहमानी)। कस्बे के वार्ड नंबर 17 में सड़क पर जलभराव को लेकर एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया है। वायरल वीडियो में तहरीम नाम के व्यक्ति ने बताया कि सड़क पर काफी दिनों से पानी भरा हुआ है, जिसके चलते लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, जलभराव के कारण मंदिर की दीवार को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। पीड़ित ने कहा कि यदि समय रहते पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो मंदिर की दीवार क्षतिग्रस्त हो सकती है। वीडियो के माध्यम से पालिका अध्यक्ष और संबंधित कर्मचारियों से समस्या का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की है। आरोप है कि शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया।सभासद अफजाल अहमद ने बताया कि पूर्व में ठेकेदार द्वारा अपनी मनमानी के चलते पुलिया का निर्माण कर दिया गया था। उनके अनुसार, पुलिया के निर्माण में उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी की निकासी प्रभावित हो रही है और सड़क पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सभासद ने भी शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने की बात कही। मामले को लेकर जब पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनके फोन पर संपर्क नहीं हो सका। अब देखना होगा कि पालिका प्रशासन इस समस्या का संज्ञान लेकर जलभराव की समस्या का कब तक निस्तारण कराता है।

फूलों से सजा अन्नपूर्णा दरबार, गूंजे 51 बटुकों के वैदिक मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीघार्यु के लिए विशेष प्रार्थना, 76 किलो लड्डू और 76 दीपक जलाए

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर उनके संसदीय क्षेत्र काशी में उत्सव का माहौल रहा। शहर के विभिन्न मठ-मंदिरों में प्रधानमंत्री के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना को लेकर दिनभर पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में अन्नपूर्णा मंदिर प्रांगण में विशेष धार्मिक आयोजन हुआ, जहां मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से फूलों से सजाया गया। अन्नपूर्णा मंदिर में 51 बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन कराया गया। इसके बाद मां अन्नपूर्णा की आरती कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर 76 किलो लड्डू का भोग लगाया गया तथा प्रधानमंत्री के 76वें जन्मदिन के प्रतीक स्वरूप 76 दीपक भी प्रज्ज्वलित किए गए। पूजन-अर्चन के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच फल, मिठाई और हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। सायंकाल मंदिर प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर महंत शंकर पुरी महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 76वें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने सनातन की जड़ों को सींचते हुए विकास के वटवृक्ष को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि काशी में विकास हो या राष्ट्र में सनातन गौरव की पुनर्स्थापना, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में धर्म और विकास के बीच समन्वय देखने को मिला है। उन्होंने मां अन्नपूर्णा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। आयोजन में प्रमुख रूप से प्रदीप श्रीवास्तव, पुजारी पप्पू सहित मंदिर आयोजित यह कार्यक्रम कार्यकताओं के लिए उत्साह और सेवा का अवसर है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन के अवसर पर आमजन के साथ खुशियां साझा करना सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। समारोह के दौरान कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम की व्यवस्था में संयोजक विजय मौर्य एवं सोना मौर्या की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों संयोजकों ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर क्षेत्र में लोगों के साथ मिलकर उत्सव मनाने का उद्देश्य आपसी सहभागिता और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर राजेश कुशवाहा, अभिषेक गोपाल वर्मा, सौरभ सिंह मुन्ना, सुधीर जायसवाल, अशोक बिंद, कुशाग्र श्रीवास्तव, पन्नू लाल बिंद, विशाल सोनकर, विजय विश्वकर्मा, राहुल जायसवाल, राजेश शर्मा, नीतिश सिंह, कृष्णा गौड़, शैलेश सेठ, कन्हैया सेठ, अंकित प्रजापति, रामलाल प्रजापति, राजू यादव, सीता गुप्ता, वंदना चौरसिया, पूनम गुप्ता, सान्या यादव, सुलोचना गुप्ता, रंजना देवी, रेनू सिंह एवं लक्ष्मी चौरसिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और आमजन के बीच प्रसाद स्वरूप लड्डू वितरित किए। पूरे आयोजन के दौरान सोनिया वार्ड में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। समारोह का समापन हर्षोल्लास एवं उत्साह के वातावरण में हुआ।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो युवक घायल

कांधला। थाना क्षेत्र के एलम बाइपास मार्ग पर बृहस्पतिवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। मेरठ जनपद के गांव राय नगला निवासी रिहान पुत्र सरफराज बृहस्पतिवार को बाइक पर सवार होकर किसी काम से कांधला की ओर आ रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही गांव ककड़ीपुर निवासी सावन पुत्र प्रमोद की बाइक से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। 112 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विकास मिशन द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम

नई दिल्ली (एहसान अंसारी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को दिल्ली स्थित सुप्रीम कोर्ट की नई इमारत में विकास मिशन की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकास मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार भारती के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान देश की प्रगति, विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। डॉ. विनोद कुमार भारती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सार्वजनिक जीवन और देशसेवा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि देश के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ जीवन और राष्ट्र की उन्नति की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के कार्यक्रम में रंजीत कुमार राष्ट्रीय महामंत्री, सीनियर अधिवक्ता प्रकाश सिंह राष्ट्रीय विधि सलाहकार, आशीष गुप्ता राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष, बैजू कुमार बिहार स्टेट सचिव, बैजू यादव, डॉ अरुण कुमार शर्मा, सुजीत चौधरी, अविनाश कुमार, मोहम्मद हदीश अली अन्य तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

फॉरेंसिक साक्ष्य से मजबूत होगी न्यायिक प्रक्रिया, बुलंदशहर में कार्यशाला आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में गुरुवार को वैज्ञानिक साक्ष्य का संकलन एवं फॉरेंसिक निहितार्थ विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश संजय सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ वैज्ञानिक साक्ष्यों के संकलन, संरक्षण, पैकेजिंग, दस्तावेजीकरण और न्यायिक प्रक्रिया में उनके उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। विधि विज्ञान प्रयोगशाला, लखनऊ के निदेशक प्रो. (डॉ.) आदर्श कुमार सहित डॉ. पूजा रस्तोगी, डॉ. अजय कुमार श्रीवास्तव और डॉ. उदय प्रताप सिंह ने विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ जानकारी साझा की। विशेषज्ञों ने अपराध स्थल के वैज्ञानिक निरीक्षण, फॉरेंसिक चिकित्सा, मृत्यु के चिकित्सकीय एवं विधिक पहलुओं तथा श्वासावरोधजन्य मृत्यु की जांच से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने बताया कि अपराध स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्यों का सही तरीके से संकलन, संरक्षण और दस्तावेजीकरण विवेचना की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच से तथ्यों को अधिक स्पष्टता के साथ न्यायिक प्रक्रिया के समक्ष प्रस्तुत करने में सहायता मिलती है। उन्होंने साक्ष्यों की श्रृंखला को सुरक्षित बनाए रखने तथा वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यशाला में न्यायिक अधिकारियों के साथ पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भी सहभागिता की। एएसपी/एसपी क्राइम नरेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

प्रबोधिनी फाउंडेशन ने जेन अल्फा के माध्यम से आयुर्वेदिक पौधरोपण का लिया अनोखा संकल्प

पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वास्थ्य जागरूकता की पहल, बच्चों को औषधीय पौधों के संरक्षण और उपयोग का दिलाया संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रबोधिनी फाउंडेशन के तत्वावधान में वेदान्ता पब्लिक स्कूल में जेन अल्फा यानी नई पीढ़ी के बच्चों को आयुर्वेदिक पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में अनोखी पहल का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों के गुणों, उनके संरक्षण, उपयोग तथा दैनिक जीवन में उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रबोधिनी फाउंडेशन की संयोजक श्रेया राय ने बच्चों को पौधों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि परिवार, समाज और देश का भविष्य बच्चे हैं। यदि बचपन से ही उनमें पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेद के प्रति जागरूकता पैदा की जाए तो आने वाली पीढ़ी प्रकृति और स्वास्थ्य दोनों के प्रति अधिक जिम्मेदार बन सकती है। उन्होंने बच्चों को पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण का संकल्प भी दिलाया। श्रेया राय ने बताया कि प्रबोधिनी फाउंडेशन द्वारा यह अभियान पांच चरणों में चलाया जाएगा। अभियान के तहत आराजीलाईन विकासखंड की 16 न्याय पंचायतों के प्रत्येक गांव के प्रत्येक परिवार को उनकी उपलब्धता एवं आवश्यकता के अनुसार निशुल्क आयुर्वेदिक पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। पौधा प्रदान करने के साथ परिवारों को उसके संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जाएगा। इसके बाद करीब तीन माह तक व्यापक पौधरोपण एवं जनजागरूकता अभियान चलाने की योजना है। अभियान के प्रथम चरण में वेदान्ता पब्लिक स्कूल के प्रत्येक बच्चे और अध्यापक के घर के लिए अमरूद, पारिजात, तुलसी, एलोवेरा और मीठी नीम के पौधे प्रदान किए गए। बच्चों ने पौधों को अपने घर ले जाकर उनकी देखभाल करने और नियमित रूप से उनका संरक्षण करने का संकल्प लिया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को केवल पौधा उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें प्रकृति से जोड़ना और औषधीय पौधों के महत्व को समझाना भी है। अभियान के आगामी चरणों में आराजीलाईन विकासखंड के विभिन्न गांवों में स्थानीय लोगों की सहमति से पौधरोपण किया जाएगा। जमीन की उपलब्धता के आधार पर नीम, पीपल, बरगद, पाकड़, बेल, आंवला, अर्जुन, आम, जामुन और महुआ सहित विभिन्न उपयोगी एवं आयुर्वेदिक पौधे लगाए जाएंगे। लोगों को इन पौधों के पर्यावरणीय एवं औषधीय महत्व की जानकारी देकर इनके संरक्षण और दैनिक जीवन में उपयोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक परिवार और प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। बच्चों को पौधों से जोड़ने से उनमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। साथ ही आयुर्वेदिक पौधों के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान और स्वास्थ्य जागरूकता को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबोधिनी फाउंडेशन के महासचिव विनय शंकर राय 'मुन्ना' ने की। संचालन प्रबोधिनी फाउंडेशन की संयोजक श्रेया राय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम में कृपा शंकर, धृति राय, शशिकांत मिश्रा, संतोष यादव, अखिलेश मिश्रा, ललिता विश्वकर्मा, रेखा देवी सहित अन्य लोगों की सक्रिय सहभागिता रही। आयोजकों ने बताया कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों को आयुर्वेदिक पौधों से जोड़ने तथा पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी जनसहभागिता के माध्यम से सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

ब्रज क्षेत्र की विरासत के समग्र अध्ययन और संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

'डिस्कवरिंग ब्रज' परियोजना के तहत पुरातात्त्विक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का होगा व्यापक सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। ब्रज क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व एवं धार्मिक विरासत के समग्र अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। 'डिस्कवरिंग ब्रज' नाम से शुरू की गई यह बहुआयामी शोध परियोजना ब्रज की समृद्ध पुरातात्त्विक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का व्यापक अध्ययन, सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। परियोजना का संचालन भारतीय पुरातत्त्व परिषद एवं ब्रिसेक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत मथुरा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान से जुड़े ब्रज क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का अध्ययन किया जाएगा। प्राचीन काल से ही ब्रज क्षेत्र भारतीय इतिहास, धर्म, कला एवं संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसका संबंध प्राचीन शूरसेन महाजनपद से भी रहा है। ऐसे में यहां मौजूद ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का वैज्ञानिक अध्ययन वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। 'डिस्कवरिंग ब्रज' परियोजना के तहत वृंदावन, गोवर्धन, गोकुल, बरसाना, नंदगांव, राधाकुंड, महावन और बलदेव सहित ब्रज क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का विस्तृत सर्वेक्षण एवं अध्ययन किया जाएगा। इस दौरान मंदिरों, प्राचीन मूर्तियों, अभिलेखों, पुरास्थलों तथा अन्य सांस्कृतिक अवशेषों को चिन्हित कर उनका वैज्ञानिक तरीके से दस्तावेजीकरण किया जाएगा। २परियोजना में आधुनिक तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जाएगा। विशेष रूप से भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्रण तथा अन्य वैज्ञानिक अध्ययन तकनीकों के माध्यम से ब्रज क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक संपदा का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने का प्रयास किया जाएगा। इससे विभिन्न पुरास्थलों की स्थिति, महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकताओं को व्यवस्थित रूप से समझने में सहायता मिलेगी। परियोजना से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार ब्रज क्षेत्र में अनेक ऐसे स्थल, स्थापत्य, मूर्तियां, अभिलेख और सांस्कृतिक अवशेष मौजूद हैं, जो क्षेत्र के प्राचीन इतिहास और सांस्कृतिक विकास की महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। इनका व्यवस्थित सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण होने से ब्रज की विरासत को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने में मदद मिलेगी। इस बहुआयामी परियोजना में पुरातत्व, इतिहास, विज्ञान तथा अन्य संबंधित विषयों के विशेषज्ञों की सहभागिता रहेगी। शोध एवं सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त जानकारियों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। परियोजना का प्रमुख उद्देश्य ब्रज की विरासत को केवल धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और पुरातात्त्विक दृष्टि से भी व्यवस्थित रूप से समझना और संरक्षित करना है। परियोजना के परिणामों के आधार पर ब्रज क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत पर एक व्यापक मोनोग्राफ तैयार किया जाएगा। इसमें सर्वेक्षण एवं शोध के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारियों, पुरास्थलों, ऐतिहासिक सामग्री और सांस्कृतिक विरासत का समग्र विवरण शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। यह दस्तावेज ब्रज की विरासत के संरक्षण, संवर्धन, शोध एवं प्रसार की दिशा में उपयोगी आधार तैयार कर सकता है। आयोजकों का कहना है कि ब्रज केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, कला, इतिहास और संस्कृति की एक महत्वपूर्ण धरोहर भी है। इसलिए यहां मौजूद विरासत का वैज्ञानिक अध्ययन और उसका संरक्षण समय की आवश्यकता है। 'डिस्कवरिंग ब्रज' परियोजना के माध्यम से ब्रज की ऐतिहासिक स्मृतियों और सांस्कृतिक विरासत को व्यवस्थित रूप से दर्ज कर भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। परियोजना प्रमुख रूप से प्रो. मुरली मनोहर जोशी, प्रो. बी.आर. मणि, डॉ. हर्षवर्धन चावला, अशोक कुमार सिंह, प्रो. शंकर सन्याल, डॉ. राजीव द्विवेदी, डॉ. अजय भामी, रविंद्र कुमार सिंह, अजीत कुमार मिश्रा, विक्रम, डॉ. विनय कुमार गुप्ता एवं अर्श अली के मार्गदर्शन एवं सहभागिता से संचालित की जा रही है।

पानी से कमजोर हुई मकान की नींव, भरभराकर गिर गया कच्चा मकान

कांधला (मोहसिन रहमानी)। विकासखंड क्षेत्र की एकता कॉलोनी में जलभराव के चलते एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में परिवार के लोगों ने समय रहते घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। मकान गिरने से मलबे में दबकर हजारों रुपये का घरेलू सामान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित व्यक्ति ने प्रदेश सरकार से मुआवजे की मांग की है। विकासखंड क्षेत्र की एकता कॉलोनी निवासी मेहंदी हसन अपने परिवार के साथ अपने कच्चे मकान में रहकर गुजर-बसर करता है। पीड़ित के अनुसार, मकान के चारों ओर खाली प्लॉट पड़े हैं, जिनमें काफी समय से बारिश और नालियों का पानी भरा हुआ है। लगातार जलभराव के कारण पानी मकान की नींव तक पहुंच गया और नींव कमजोर होने से मकान की दीवारों में दरारें आने लगीं। परिवार को खतरे का अंदेशा होने पर सभी लोग घर से बाहर निकल गए। कुछ ही देर बाद मकान भरभराकर गिर पड़ा। इससे घर में रखा घरेलू सामान मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन और प्रदेश सरकार से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनवाने तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में सेवा दिवस ,'आशीर्वाद का दिया' नामक कार्यक्रम का

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विधायक डॉ मंजू शिवाच ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर में सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितंबर को सेवा दिवस ,'आशीर्वाद का दिया' नामक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अस्पताल मोदीनगर में रक्तदान शिविर का उद्घाटन विधायक मोदीनगर डॉक्टर मंजू शिवाच के द्वारा किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के चिकित्सा अधीक्षक तथा प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद के उपाध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार,डॉ विक्रांत, डॉक्टर कर्ण सिंह व अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल, चेयरमैन विनोद वैशाली , पूर्व अध्यक्ष दिनेश सिंघल, पूर्व चेयरमैन अशोक माहेश्वरी,मोदीनगर शहर अध्यक्ष आकाश शर्मा, अमित चौधरी , देवेंद्र चौधरी, नरेश अमरला, प्रदीप बॉस, विजय वाल्मीकि,विजय कुमार, मयंक शर्मा,डॉ अनिला आर्य, विजय मलिक, डॉ देवराज शर्मा, नवीन जायसवाल, मुकेश चौहान, दीपांशु मलिक, सागर गुप्ता, अमित कराटे, हरेन्द्र अरोड़ा , विपिन वत्स, सुभाष मलिक, सतीश लाल दास, भव्य शिशोदिया के द्वारा मरीजों को फल वितरित किए गए।

सभी ने मोदी जी को शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर मण्डल मोदीनगर शहर के सभी पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अमितेज जैन महामंत्री, अनिल सैन महामंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही रक्तदान अभियान के संयोजक श्री आशीष कश्यप रहे।

आरकेजीआईटी (फामेर्सी), में मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाज़ियाबाद। स्थित राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (फामेर्सी) में विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य पर एक प्रेरणादायी विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से फामेर्सी विभाग के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सुश्री नम्रता ओहरी, ट्रेनर एवं थेरेपिस्ट तथा जेनलाइफ फाउंडेशन की संस्थापक रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, आत्म-जागरूकता, सकारात्मक सोच और भावनात्मक दृढ़ता विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री ऋतुपर्णा पालित द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वाईस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी.के. चौहान, हेड एच.आर. डॉ. विपुल गोयल, तथा प्रिंसिपल (फामेर्सी) डॉ. मोनिका सचदेवा ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। यह आयोजन विद्यार्थियों के समग्र विकास और मानसिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा।

दीवार और पेड़ तोड़कर सर्विस रोड पर पहुंची स्कूली बच्चों से भरी वैन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजय नगर क्षेत्र में गुरुवार सुबह स्कूली बच्चों को लेकर जा रही निजी वैन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी छोटी दीवार और पेड़ को तोड़ते हुए सर्विस रोड पर जा पहुंची। हादसे के दौरान वैन में सवार चार बच्चे बाल-बाल बच गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें वैन के अनियंत्रित होकर सर्विस रोड पर पहुंचने का दृश्य दिखाई दे रहा है। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हो रहा है। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 7:30 बजे निजी वैन प्रताप विहार स्थित डीएवी स्कूल में पढ़ने वाले चार बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही थी। सेन चौक के पास अचानक चालक का संतुलन बिगड़ गया और वैन सड़क के बीच बनी छोटी दीवार को पार करते हुए सर्विस रोड पर जा पहुंची। वैन की टक्कर से दीवार और पेड़ क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के समय वैन में करीब 13 से 14 वर्ष की उम्र के चार बच्चे सवार थे। गनीमत रही कि किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित स्कूल पहुंचाया और उनके परिजनों को सूचना देकर बुलाया। पुलिस के मुताबिक बच्चों को मामूली चोट आने की बात सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज में हादसे के बाद एक व्यक्ति वैन की ओर दौड़कर आता दिखाई दे रहा है। वह वैन की खिड़की खोलकर बच्चों को बाहर निकालने में मदद करता है। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस के अनुसार वैन करीब 35 वर्षीय लखन चला रहा था। प्रारंभिक जानकारी में चालक को नींद की झपकी आने की वजह से हादसा होने की बात सामने आई है। हालांकि इस संबंध में अभी तक पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

सफलता एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है जो अनेकों संघर्षों से प्राप्त होती है-जीएस नेहरा

मोदी कॉलेज के एलुमनी द्वारा छात्रों को कैरियर काउंसलिंग की महत्वपूर्ण जानकारी दी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के पूर्व छात्र साफ्ट स्किल ट्रेनर और मोटिवेशनल स्पीकर विंग कमांडर (रिटा.) जी एस नेहरा द्वारा एमआइसीएए के तत्वावधान में व्याख्यानमाला श्रृंखला के द्वितीय लेक्चर कालेज में प्रथम पाली के समस्त अध्यापकों एवं छात्रों को सफलता की कभी न खत्म होने वाली यात्रा विषय को सम्बोधित किया। जिसमें उन्होंने सफलता की कभी न समाप्त होने वाली यात्रा पर विशेष बल दिया। श्री नेहरा ने छात्रों के मध्य एक खेल आयोजित किया । जिससे उनकी बौद्धिक क्षमता का ज्ञान किया गया एवं विजयी छात्र को उत्साहवर्धन में पुरस्कार भी दिया गया। मोदी इंटर कालेज अलयूमनाई एसोसिएशन (एमआइसीएए) द्वारा अपने सफल जीवन का आधार कालेज को मानते हुये सभी साथियों के यथा शक्ति सहयोग से कैरियर काऊसलिग सेंटर की स्थापना की जा चुकी है । जिसका उद्देश्य छात्रों को भविष्य के लिए मार्गदर्शन करना है जिसमें संजय गौतम एवम् डा प्रशांत सांगवान का योगदान है, वे छात्रों को सिखाते हैं कि कैसे आत्मविश्वास की ताकत और हिम्मत के जादू को मिलाकर चीजों को मुमकिन बनाया जाए। मोदी इंटर कालेज अलयूमनाई एसोसिएशन द्वारा कालेज के मुख्य द्वार की रंगाई पुताई इत्यादि कार्य कराया है। इसके साथ ही कालेज को एक स्मार्ट क्लास उपलब्ध करने का वचन दिया जा चुका है । प्रधानाचार्य डा.एस सी अग्रवाल ने छात्रों से लक्ष्य प्राप्ति के लिए सही दिशा को पहचानने और उसके अनुरूप सार्थक परिश्रम पर बल दिया। प्रधानाचार्य ने कहा कि सफलता बहुत संघर्षों से मिलती है कोशिश करना सफलता की सीढ़ी का पहला कदम होता है ।मोदी इंटर कालेज अलयूमनाई एसोसिएशन की भावनाओं का सम्मान करते हुए कालेज प्रबंधन की ओर से पूर्व छात्रों को धन्यवाद ज्ञापित किया । करियर काउंसलिंग को सफल बनाने में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह, दिनेश कुमार, प्रवीण जेनर, राजीव जांगिड़, राजीव सिंह, राजीव कुमार,संजीव कुमार आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

यूनानी चिकित्सा की बारीकियां सीखने पहुंचे फामेर्सी के विद्यार्थी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डासना स्थित एसडीजीआई ग्लोबल विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सुंदर दीप फामेर्सी कॉलेज के डिप्लोमा फामेर्सी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा केंद्र, गाजियाबाद में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को यूनानी चिकित्सा पद्धति के सिद्धांतों, औषधीय पौधों, पारंपरिक औषध निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण और चिकित्सीय उपयोग की व्यावहारिक जानकारी देना रहा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने केंद्र के विभिन्न अनुभागों और सुविधाओं का अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने उन्हें यूनानी औषधियों के निर्माण, संरक्षण, मानकीकरण और उपयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। विद्यार्थियों को औषधीय द्रव्यों की भूमिका तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धति और आधुनिक फामेर्सी के बीच संबंध के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया और विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर में 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर में 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह द्वारा किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह द्वारा पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान टी बी मरीजों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आमजन तक स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की अपील की। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि शर्मा ने बताया कि अभियान की अवधि में क्षेत्र में विभिन्न स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। लोगों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, पोषण, गैर-संचारी रोगों की जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभाग की टीम का प्रयास रहेगा कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में मरीजों ओर लाभार्थियों को फलों का वितरण किया गया एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ रवि द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर में रक्त दान किया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, चिकित्सा स्टाफ तथा अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर 'सेवा के माध्यम से स्वस्थ समाज' के उद्देश्य को आगे बढ़ाने तथा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एनएच-9 पर बसों के जाम का इलाज, माडल टाउन-सेक्टर-62 कट पर बनी अलग लेन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर माडल टाउन और सेक्टर-62 कट के पास बसों के कारण लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए अस्थायी बस लेन बनाई गई है। बसों को मुख्य सड़क से अलग निर्धारित लेन में चलाने की व्यवस्था से उनके सड़क पर खड़े होने की समस्या कम होने की उम्मीद है। इससे इन दोनों स्थानों पर यातायात को सुचारू रखने में मदद मिलेगी। माडल टाउन और सेक्टर-62 कट के आसपास बसों के रुकने से अक्सर यातायात प्रभावित होता था। बसों के मुख्य मार्ग पर खड़े होने से पीछे वाहनों की कतार लग जाती थी। अब अलग बस लेन बनने से बसों के लिए स्थान निर्धारित हो गया है। इससे मुख्य मार्ग पर वाहनों के आवागमन में बाधा कम करने की कोशिश की गई है। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शहर के 41 प्रमुख स्थानों पर 870 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान की जा रही है। यातायात पुलिस के अनुसार अब तक 10 लाख से अधिक ई-चालान किए जा चुके हैं। कैमरों के जरिये गलत दिशा में वाहन चलाने, नियमों का उल्लंघन करने और अन्य यातायात अपराधों पर निगरानी रखी जा रही है। इससे यातायात नियमों का पालन कराने के साथ ही सड़कों पर व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल रही है।

ऑटो में एक्स्ट्रा सीट लगाना और ओवरलोडिंग पड़ा भारी, 1462 के चालान, 26 ऑटो सीज

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ऑटो में अवैध रूप से अतिरिक्त सीट लगाकर सवारी बैठाने और क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जाने वाले चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया। 15 से 17 सितंबर तक चले अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर सघन चेकिंग करने वाले 1462 ऑटो के चालान किए गए, जबकि 26 ऑटो सीज किए गए। इसके साथ ही वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट और अन्य दस्तावेजों की जांच की गई।

यातायात पुलिस ने ऑटो चालकों को क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने और किसी भी तरह का अवैध संशोधन न कराने की हिदायत दी। यात्रियों से भी चालक के बगल में बैठकर यात्रा न करने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स कॉलेज में प्रधानमंत्री का जन्मदिवस मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स कॉलेज में जिला पिछड़ा वर्ग कार्यालय द्वारा शासन से प्राप्त दिशा - निर्देशन में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी का 76 वॉ जन्मदिवस कंप्यूटर विभाग के द्वारा (एक दिया आशीर्वाद के नाम) मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा पूनम शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर छात्राओं को मोदी जी के जनसेवा के कार्यों से प्रेरणा लेने को प्रेरित किया। कंप्यूटर विभाग के द्वारा इस अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता तथा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया तथा मोदी जी के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में डा नम्रता शर्मा (विभागाअध्यक्ष), डा शिखा त्यागी, डा चेतना, रविंद्र जी, अनीता खन्ना, खुशबू त्यागी, गार्गी गुप्ता तथा सभी छात्राओं ने भी दीप प्रज्ज्वलित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आईटीएस मोहन नगर में 'यंग इंडिया मंथन सीरीज' के तहत प्रेरणात्मक सत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस मोहन नगर के यूजी कैंपस में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, करियर दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से गुरुवार को 'आईटीएस यंग इंडिया मंथन सीरीज-बियॉन्ड द बीट' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फाउंडर एवं डायरेक्टर, ज्ञानसेतु फाउंडेशन और प्रेरणात्मक वक्ता डीजे गौरी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें अपने जोश और प्रतिभा को सही दिशा देने के लिए प्रेरित किया। डीजे गौरी ने कहा कि सफलता किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। युवा अपनी रुचि, प्रतिभा और क्षमता को पहचानकर अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, आत्मविश्वास बनाए रखने के साथ रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने बहुआयामी अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को अपने सपनों को लक्ष्य में बदलकर उन्हें हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की और डीजे गौरी से संवाद करते हुए अपने सवाल एवं विचार साझा किए। प्रेरणात्मक सत्र ने विद्यार्थियों को नए अवसरों की तलाश करने तथा अपने भविष्य को लेकर सकारात्मक और व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मोदी रबड़ के गिरफ्तार प्रबंधक तीन दिन बाद जमानत पर रिहा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना कविनगर पुलिस ने मैसर्स मोदी रबड़ लिमिटेड के प्रबंधक एस.के. बाजपेयी को न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया और तीन दिन बाद जमानत पर रिहा कर दिया।

पुलिस के अनुसार विनोद कुमार दीक्षित की शिकायत पर न्यायालय के आदेश से 12 अप्रैल 2024 को थाना कविनगर में मुकदमा अपराध संख्या 0361/2024 धारा 506, 504, 323, 392, 420 व 409 आईपीसी के तहत दर्ज किया गया था।

पुलिस ने बताया कि विवेचना के बाद 11 दिसंबर 2024 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया, जिस पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद ने 6 जनवरी 2025 को संज्ञान लिया।

न्यायालय में निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होने पर एस.के. बाजपेयी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। इसी क्रम में थाना कविनगर पुलिस ने 5 सितंबर 2026 को एस.के. बाजपेयी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। इसके बाद 8 सितंबर 2026 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गाजियाबाद ने उन्हें जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए।

कलेक्ट्रेट से अस्पतालों तक जले दीप, 'आशीर्वाद का दीया' ने दिया सेवा का संदेश

346 लोगों ने किया रक्तदान, शाम को रोशन हुए गाजियाबाद के प्रमुख स्थल

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुवार को जिले में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का व्यापक आयोजन किया गया। इस दौरान 19 सरकारी एवं गैर सरकारी चिकित्सालयों में रक्तदान शिविर लगाए गए, जिसमें कुल 346 लोगों ने रक्तदान किया।

चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। जिला एमएमजी अस्पताल में सांसद अतुल गर्ग, राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप और भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। लोनी, मोदीनगर, मुरादनगर, डूडाहेड़ा, डासना और भोजपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों ने शिविरों का शुभारंभ कर फल वितरण किया।

शाम सात बजे जिले के विभिन्न निर्धारित स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए गए। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट और सीडीओ कुमार सौरभ के नेतृत्व में विकास भवन में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया गया। कार्यक्रम में सेवा, सहयोग और जनभागीदारी का संदेश दिया गया।

किसानों की मांगों पर बनी सहमति, 5 अक्टूबर तक वार्ता का भरोसा; नहीं तो 6 से आंदोलन

10% प्लॉट पर बड़ा आश्वासन, 5 अक्टूबर तक लखनऊ में होगी वार्ता; नहीं बनी बात तो 6 से पक्का मोर्चा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। 10 प्रतिशत विकसित प्लॉट समेत विभिन्न मांगों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर चल रहे किसान संघर्ष मोर्चा के आंदोलन के बीच गुरुवार को तीनों प्राधिकरणों के सीईओ, जिलाधिकारी और जॉइंट पुलिस कमिश्नर के साथ करीब तीन घंटे तक मैराथन बैठक हुई। बैठक में किसानों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने 10 प्रतिशत प्लॉट के मुद्दे पर 21 सितंबर तक आवश्यक होमवर्क पूरा करने और 5 अक्टूबर तक लखनऊ में मुख्य सचिव एवं इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर स्तर पर वार्ता कराने का आश्वासन दिया।

किसान नेताओं ने कहा कि वर्ष 2024 में तीनों प्राधिकरणों की बोर्ड बैठकों से 10 प्रतिशत प्लॉट के प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजे जा चुके हैं। आबादी, नए कानून और भूमिहीनों की दुकानों के आवंटन पर भी 15 अक्टूबर तक कार्रवाई का आश्वासन मिला है। किसान संघर्ष मोर्चा ने 5 अक्टूबर तक धरना स्थगित कर दिया। नेताओं ने चेतावनी दी कि आश्वासन पूरा नहीं हुआ तो 6 अक्टूबर से दिन-रात पक्का मोर्चा लगाकर आंदोलन जारी रखा जाएगा।

ऑपरेशन प्रहार: 1340 अल्प्राजोलम टैबलेट के साथ नशीले पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। नन्दग्राम थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत चेकिंग के दौरान अवैध नशीले पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अल्प्राजोलम की 1340 टैबलेट बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, 17 सितंबर को टीम ने हिंडन मेट्रो स्टेशन से आगे मेरठ रोड से हिंडन विहार 45 फुटा जाने वाले रास्ते के पास चेकिंग के दौरान राजा पुत्र शेरू निवासी दीनदयालपुरी, नन्दग्राम को गिरफ्तार किया। आरोपी की उम्र करीब 36 वर्ष बताई गई है। तलाशी के दौरान उसके पास से अल्प्राजोलम की 27 पत्तियां, कुल 1340 टैबलेट बरामद हुईं। बरामदगी के आधार पर नन्दग्राम थाने में आरोपी के खिलाफ धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य जांच और परामर्श, गर्भवती महिलाओं को मिली जरूरी सलाह

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जिला महिला चिकित्सालय में 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ सांसद अतुल गर्ग, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप और भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने किया। इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए और नवजात शिशुओं को शुभाशीष दिया गया।

अभियान के तहत अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर लगाया गया। गर्भवती महिलाओं समेत अन्य मरीजों के ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और हीमोग्लोबिन की जांच की गई। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी काउंसलिंग के साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार के लिए डाइट प्लान की जानकारी दी गई।

वहीं, भाजपा गाजियाबाद महानगर की ओर से मयंक गोयल के नेतृत्व में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। मयंक गोयल ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद का जीवन बचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस मौके पर पंकज भारद्वाज, सचिन डेढ़ा, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुराने वाहनों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 85 गाड़ियां चिन्हित

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। एनजीटी के निदेशों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। गुरुवार को जनपद में अभियान के दौरान 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों की जांच की गई। इस दौरान 85 आयु सीमा पूर्ण वाहनों को चिन्हित कर उनके अनधिकृत संचालन पर रोक लगाने के लिए नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) विनीत कुमार मिश्र ने बताया कि चिन्हित वाहनों को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र के माध्यम से स्क्रैप कराने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य पुराने वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और ऐसे वाहनों के अनधिकृत संचालन को रोकना है। एआरटीओ ने वाहन स्वामियों से अपील की कि वे आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों का संचालन न करें और एनजीटी व शासन के निदेशों के अनुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

स्वच्छता के लिए ग्रीन वॉक-वे पर उतरे बच्चे, श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। 'स्वच्छता ही सेवा 2026' कार्यक्रम के अंतर्गत आरडीसी स्थित गौर मॉल के ग्रीन वॉक-वे पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में नगर स्वास्थ्य अधिकारी, साथी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों तथा केडीबी स्कूल के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस दौरान सभी ने मिलकर क्षेत्र में श्रमदान करते हुए साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ लेकर सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संकल्प लिया।

अभियान के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए स्वच्छ भारत मिशन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ शहर बनाने के लिए प्रशासन के साथ आमजन की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छता को जनअभियान का रूप दिया जा सकता है।

विजयनगर में तेज रफ्तार स्कूल वैन सर्विस रोड पर गिरी, बाल-बाल बचे 5-6 बच्चे

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विजयनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक तेज रफ्तार स्कूल वैन अनियंत्रित होकर मुख्य मार्ग से नीचे सर्विस रोड पर जा गिरी। हादसे के समय वैन में करीब पांच से छह बच्चे सवार बताए जा रहे हैं। गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। पेड़ ने टक्कर का काफी प्रभाव झेल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों की स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार के कारण वाहन के अनियंत्रित होने की बात सामने आ रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

विश्वकर्मा दिवस पर 450 लाभार्थियों को टूल किट, उद्यमियों को मिले ऋण के चेक

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विश्वकर्मा दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी ट्रेड के 450 महिला एवं पुरुष लाभार्थियों को टूल किट वितरित की। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के लाभार्थियों को ऋण के चेक भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उपायुक्त उद्योग आशुतोष सिंह ने लाभार्थियों को सरकार की विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी और स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि लाभार्थी टूल किट का सदुपयोग कर अपना रोजगार स्थापित करें और आत्मनिर्भर बनने के साथ अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराएं। कार्यक्रम में जेएफसी फाउंडेशन की ओर से रोजगार उपलब्ध कराने संबंधी जानकारी भी दी गई। अंत में सीडीओ कुमार सौरभ ने सभी को विश्वकर्मा दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सेवा संकल्प अभियान में गूंजा जनसेवा का संदेश, अमरपाल मौर्य बोले- अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास का लाभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत गाजियाबाद में विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में हुए कार्यक्रमों में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने सहभागिता की।

उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं से मिले लाभ और उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली।

अमरपाल मौर्य ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना ही सेवा का वास्तविक उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि जनसेवा के माध्यम से राष्ट्रसेवा का संकल्प मजबूत होता है।

गाजियाबाद में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और जनआशीर्वाद का दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इसके बाद महर्षि वाल्मीकि पार्क में स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित कर स्वच्छता किट वितरित की गई। मौर्य ने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने में स्वच्छता कर्मियों का योगदान महत्वपूर्ण है और उनका सम्मान करना सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में विधायक संजीव शर्मा, सांसद अतुल गर्ग समेत अनेक जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।